RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः41 , बुधवार, 25 मार्च 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

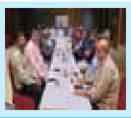
मोतिहारी चैंबर ऑफ कॉमर्स की 27वीं कार्यकारिणी की तीसरी बैठक संपन्न 03

चैती छठ महापर्व पर सुरक्षा के इंतजाम, घाटों पर मुस्तैद दिखी पुलिस टीम 04

सारा अली और पलक की मूवी का आउटिंग ने खींचा फैंस का ध्यान 07

संक्षिप्त समाचार

कोलंबिया में वायुसेना का विमान क्रैश, 66 की मौत

- 114 कोलंबियाई सैनिक और 11 क्रू मेंबर सवार थे

बोगोटा (एजेंसी)। कोलंबिया में सोमवार को एयरफोर्स का हरक्यूलिस सी-130 विमान टेक-ऑफ के दौरान क्रैश हो गया। हादसे में अब तक 66 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हो गए। जबकि 4 सैनिक अभी भी लापता है। एक सैन्य सूत्र ने बताया कि 58 सैनिक, छह वायुसेना कर्मी और दो पुलिस अधिकारी मारे गए हैं। यह हादसा पेरू सीमा के पास दक्षिणी अमेजन क्षेत्र के प्यूर्टो लेगुइजामो में

हुआ। रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने बताया कि विमान रनवे से करीब 1.5 किलोमीटर दूर जाकर गिरा। विमान में 114 सैनिक और 11 क्रू मेंबर सवार थे। कोलंबिया की सेना ने बताया कि इस हादसे में करीब 80 सैनिकों के मारे जाने की आशंका है। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने सैन्य विमान हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर हादसा है। ऐसी घटना नहीं होनी चाहिए थी और जवानों की सुरक्षा सबसे जरूरी है। सरकार सेना को मजबूत बनाने और बेहतर सुविधाएं देने पर काम कर रही है, ताकि आगे ऐसे हादसे न हों। पेट्रो ने कहा कि सेना के हथियार और संसाधनों को आधुनिक बनाने का फैसला पहले ही लिया जा चुका है, लेकिन प्रशासनिक देरी के कारण इसे लागू नहीं किया जा सका।

रेलवे टिकट 8 घंटे पहले कैंसिल करने पर ही रिफंड

- 4 घंटे का नियम खत्म, ट्रेन छूटने के 30 मिनट पहले बोर्डिंग स्टेशन बदल सकेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने टिकट कैंसिल करने के नियम बदल दिए हैं। अब अगर कोई यात्री ट्रेन के समय से 8 घंटे से कम समय पहले टिकट रद्द करता है, तो उसे कोई पैसा वापस नहीं मिलेगा। यानी अगर आपकी ट्रेन शाम 6 बजे है, तो आपको सुबह 10 बजे से पहले टिकट कैंसिल करनी होगी, तभी रिफंड मिलेगा। पहले यह समय 4 घंटे था और तब 50 फीसदी रिफंड मिलता था। अब समय बढ़ाकर 8 घंटे कर दिया गया है, लेकिन 24 से 8 घंटे के बीच कैंसिल करने पर अभी भी 50 फीसदी पैसा ही वापस मिलेगा। इसके अलावा, अब यात्री ट्रेन छूटने से 30 मिनट पहले तक अपना बोर्डिंग स्टेशन भी बदल सकते हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि यह बदलाव इसलिए किया गया है, ताकि एजेंट और दलाल टिकटों की जमाखोरी न कर सकें। नए नियम 1 से 15 अप्रैल 2026 के बीच अलग-अलग फेज में लागू होंगे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि दलालों के पैटर्न को देखते हुए यह बदलाव किया गया है। दलाल अक्सर एक्स्ट्रा टिकट बुक कर लेते थे और ग्राहक न मिलने पर ट्रेन छूटने से ठीक पहले कैंसिल कर रिफंड ले लेते थे।

हिजबुल्ला का 5 इजराइली ठिकानों पर मिसाइल अटैक

- ईरान में गैस प्लांट और पाइपलाइन पर इजराइल का हमला

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का मंगलवार को 25वां दिन था। ईरान में मंगलावर को कई जगह एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्टचर पर हमला हुआ। मीडिया रिपोट्स के मुताबिक, ईरान के इस्फहान शहर में गैस प्लांट और गैस कंट्रोल स्टेशन को निशाना बनाया गया। इसके अलावा खोर्रमशहर के पावर प्लांट और उसकी गैस पाइपलाइन पर भी हमला हुआ। वहीं लेबनान में ईरान समर्थक उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह ने आज इजराइल के 5 ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन अटैक

किया। हिजबुल्लाह ने बताया कि उसने इजराइली सैनिकों की एक छावनी, रडार और तोपखाने को निशाना बनाया। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच हालिया बातचीत के बाद 15 मुद्दों पर सहमति बनी है। इन मुद्दों की पूरी लिस्ट सार्वजनिक नहीं की गई है। उन्होंने ईरान के पावर प्लांट पर हमले 5 दिन के लिए टाल दिए, जबकि इससे पहले होर्मुज खोलने के लिए 48 घंटे की चेतावनी दी थी। ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि तेहरान और वॉशिंगटन के बीच कोई बातचीत नहीं हो रही है। वहीं, पाकिस्तान और तुर्किये मध्यस्थता कर रहे हैं।

अगले चुनाव में 273 होगी महिला सांसदों की संख्या

- महिला आरक्षण के बाद लोकसभा सीटें बढ़कर हो जाएंगी 816
- 2029 चुनाव से पहले लागू होगा 33 फीसदी महिला आरक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण लागू करने की तैयारी में है। इसके लिए संसद के मौजूदा सत्र में दो बिल लाए जा सकते हैं। इसके जरिए महिला आरक्षण लागू करने की मौजूदा शर्त में बदलाव किया जाएगा। इससे लोकसभा में सदस्यों की संख्या 543 से बढ़कर 816 हो सकती है। इनमें महिला सांसदों के लिए आरक्षित सीटों की संख्या 273 हो जाएगी। गृहमंत्री अमित शाह ने इस पर सहमति बनाने के लिए सोमवार को एनडीए और गैर-कांग्रेसी विपक्षी दलों के नेताओं के साथ बैठक की। सहमति बनने पर बिल इसी हफ्ते पेश किए जा सकते हैं। दरअसल, 2023 में महिला आरक्षण कानून संविधान के 106वें संशोधन के रूप में पास हुआ था। इसके तहत महिला आरक्षण नई जनगणना के बाद लागू होना है। अब सरकार का प्रस्ताव है कि नई जनगणना से पहले ही परिसीमन किया जाए।

- **इस सत्र में 2 बिल लाए जाएंगे, एससी और एसटी कोटा होगा-** एक बिल के जरिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन होगा, जबकि दूसरा परिसीमन कानून में बदलाव से जुड़ा होगा। इसे पास कराने के लिए संसद में दो-तिहाई बहुमत जरूरी होगा। इसी वजह से सरकार विपक्ष का समर्थन जुटाने में लगी है। प्रस्ताव के मुताबिक 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। आरक्षण का ढांचा ऐसा होगा, जिसमें एससी और एसटी वर्ग की महिलाओं को उनके कोटे के भीतर हिस्सा मिलेगा।
- **महिला आरक्षण को लेकर कांग्रेस से चर्चा बाकी-** गृहमंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों इसके लिए कई नेताओं से बैठकें की हैं। इनमें वाईएसआर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, एनसीपी (एसपी), आरजेडी और एआईएमआईएम के नेता शामिल रहे। बीजेडी और शिवसेना (यूबीटी) से भी बातचीत हुई है, जबकि कांग्रेस से चर्चा बाकी है। सहमति बनने पर बिल इसी हफ्ते संसद में पेश किए जा सकते हैं। महिला आरक्षण कानून 2023 में संविधान के 106वें संशोधन के रूप में पास हुआ था।

सप्तम मां कालरात्रि

मां के सप्तम रूप का नाम है माँ कालरात्रि। यह मां का अति भयावह व उग्र रूप है। सम्पूर्ण सृष्टि में इस रूप से अधिक भयावह और कोई दूसरा नहीं। किन्तु तब भी यह रूप मातृत्व को समर्पित है। देवी मां का यह रूप ज्ञान और वैराग्य प्रदान करता है।

हमें सावधान, सतर्क और तैयार रहना हैः प्रधानमंत्री

- पश्चिम एशिया में संकट को लेकर राज्यसभा में बोले पीएम मोदी
- दुनिया भर में गंभीर ऊर्जा संकट, भारत के लिए चिंताजनक हालात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर राज्यसभा में बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि हालात भारत के लिए भी चिंताजनक हैं और व्यापार के रास्ते प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि हमें सावधान, सतर्क और तैयार रहना है। भारत के सामने अप्रत्याशित चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि पेट्रोल डीजल गैस और फर्टिलाइजर जैसे जरूरी सामानों की सप्लाई प्रभावित हुई। गल्फ में एक करोड़ भारतीय रहते हैं। उनके जीवन और आजीविका भारत के लिए चिंता का विषय है। होर्मुज स्ट्रेट में भारतीय क्रू मेंबर फंसे हैं, ये भी बारत के लिए चिंता का विषय है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारतीयों की सुरक्षा प्राथमिकता है और गल्फ के सभी देशों के साथ लगातार संपर्क में हैं। हमारा लक्ष्य डायलॉग और डिप्लोमेसी के माध्यम से क्षेत्र में शांति लाने का है। पीएम मोदी ने कहा कि इस युद्ध ने पूरे विश्व में गंभीर ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है। भारत के लिए भी ये स्थिति चिंताजनक है।

- **क्या है भारत सरकार का लक्ष्य, पीएम ने बताया-** प्रधानमंत्री ने कहा कि युद्ध की शुरुआत के बाद से मैंने पश्चिम एशिया के ज्यादातर देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ दो राउंड फोन पर बात की है। हम गल्फ के सभी देशों के साथ लगातार बातें कर रहे हैं। हम ईरान, इजराइल और अमेरिका के साथ भी संपर्क में हैं। हमारा लक्ष्य, डायलॉग और डिप्लोमेसी के माध्यम से क्षेत्र में शांति की बहाली का है।
- **पीएम बोले-हॉर्मुज में जहाजों पर हमला अस्वीकार्य-** उन्होंने कहा कि कमर्शियल जहाजों पर हमला और हॉर्मुज स्ट्रेट जैसे अंतर्राष्ट्रीय जलमार्ग में रुकावट अस्वीकार्य है। भारत ने नागरिकों पर, सिविल इंफ्रास्ट्रक्चर पर, एनर्जी और ट्रांसपोर्ट से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमलों का विरोध किया है। भारत सतत प्रयास कर रहा है।

हरीश राणा का निधन, दिल्ली के एम्स में पाई इच्छामृत्यु

- 13 साल के दर्द से मिली मुक्ति, सुप्रीम कोर्ट ने दी थी इजाजत

गाजियाबाद (एजेंसी)। पिछले 13 साल से कोमा में पड़े गाजियाबाद के हरीश राणा का एम्स में निधन हो गया है। सुप्रीम कोर्ट से इच्छामृत्यु की इजाजत मिलने के बाद हरीश राणा को बीते रविवार को दिल्ली के एम्स में

शिफ्ट किया गया था, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनकी इच्छामृत्यु की प्रक्रिया पूरी की गई। करीब 13 साल पहले हरीश चंडीगढ़ में अपने पीजी के चौथे फ्लोर से गिर गए थे, जिसके बाद से ही वह कोमा में थे। उनके ठीक होने की उम्मीदें टूटने के बाद परिवार ने हरीश के लिए सुप्रीम कोर्ट से इच्छामृत्यु मांगी थी और आखिरकार उन्हें 13 साल के दर्द से मुक्ति मिल गई।

हरीश इच्छामृत्यु पाने वाले पहले व्यक्ति

भारत में इच्छामृत्यु पाने वाले हरीश राणा पहले व्यक्ति थे। हरीश उस समय पंजाब यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे थे, जब यह दर्दनाक हादसा हुआ। वह चंडीगढ़ स्थित अपने पीजी में फोन पर अपनी बहन से बातें कर रहे थे कि अचानक चौथे फ्लोर से नीच गिर गए। हादसे में उनकी कमर और सिर में गहरी चोटें आईं और वह कोमा में चले गए। परिवार ने उनके इलाज के लिए सब कुछ किया, लेकिन हरीश फिर से खड़े ना हो सके।

महिला अधिकारियों को स्थाई कमीशन का पूरा हक

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-भारतीय सेना में भेदभाव ठीक नहीं

वंचित महिला अधिकारियों को मिलेगा पेंशन का अधिकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में मंगलवार को कहा कि सेना, नौसेना और वायुसेना की वे महिला शॉर्ट सर्विस कमीशन अधिकारी, जिन्हें मनमाने मूल्यांकन के कारण स्थायी कमीशन नहीं दिया गया, वे पूर्ण पेंशन संबंधी लाभ पाने की हकदार हैं। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि इन अधिकारियों को पेंशन के लिए आवश्यक न्यूनतम 20 वर्ष की सेवा पूरी करने वाला माना जाएगा, भले ही उन्हें इससे पहले सेवा से मुक्त कर दिया गया हो। यह फैसला कई याचिकाओं पर आया, जिनमें विंग कमांडर सुचेता एदान और अन्य द्वारा दायर याचिकाएं शामिल थीं, जिन्होंने 2019 की नीतिगत बदलावों को लेकर चुनौती दी थी।

शिवहर के डीडीसी पर एसवीयू का शिकंजा, आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज

बीएनएम@राकेश कुमार।

पटना, शिवहर समेत कई ठिकानों पर छापेमारी, करोड़ों की संपत्ति के मिले साक्ष्य

पटना। विशेष निगरानी इकाई (एसवीयू) ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए शिवहर के उप विकास आयुक्त सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी जिला परिषद बृजेश कुमार के विरुद्ध आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया है। यह मामला 23 मार्च 2026 को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज किया गया है। एसवीयू के अपर पुलिस महानिदेशक पंकज कुमार दराद ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि बृजेश कुमार ने अपनी वैध आय से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की है। जांच में करीब 1.84 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति का पता चला है, जो उनकी आय के ज्ञात स्रोतों से काफी अधिक है। मामला दर्ज होने के बाद न्यायालय से तलाशी वारंट प्राप्त कर 24 मार्च को एसवीयू की टीम ने एक साथ कई ठिकानों पर छापेमारी की। इनमें शिवहर स्थित कार्यालय, सरकारी आवास, पटना के दानापुर क्षेत्र में स्थित संपत्तियां, पैतृक गांव तथा ससुराल से जुड़े स्थान शामिल हैं। छापेमारी के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और संपत्ति से जुड़े साक्ष्य बरामद किए गए। जांच में यह भी सामने आया कि अभियुक्त और उनकी पत्नी

के नाम से कई अचल संपत्तियां खरीदी गई हैं, जिनका उल्लेख संपत्ति विवरण में नहीं किया गया था। दानापुर में उनकी पत्नी के नाम से लगभग 2.26 करोड़ रुपये की संपत्ति पाई गई है। इसके अलावा विभिन्न बैंकों में 21 लाख रुपये से अधिक का निवेश भी उजागर हुआ है। एसवीयू ने बताया कि मामले की जांच जारी है और अन्य संपत्तियों व लेनदेन की भी गहन जांच की जा रही है।

वनवासी कहकर बदली जा रही आदिवासियों की पहचान

- गुजरात पहुंचे राहुल गांधी ने आरएसएस पर बोला हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आदिवासियों के लिए वनवासी शब्द इस्तेमाल पर भाजपा और आरएसएस की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि यह शब्द जानबूझकर बनाया गया है ताकि आदिवासियों की जो जंगल, जमीन और पानी पर जो पुराना हक है उसे खत्म किया जा सके। वडोदरा में एक कार्यक्रम के दौरान गांधी ने फिर से जाति जनगणना की मांग की और कहा कि आदिवासियों को देश की सत्ता और धन में अपना सही हिस्सा पाने के लिए यह बहुत जरूरी है। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि आदिवासियों को वनवासी कहना संविधान और आदिवासी नेता बिरसा मुंडा का अपमान है। वडोदरा में आयोजित आदिवासी अधिकार संविधान सम्मेलन में राहुल गांधी ने कहा कि आदिवासी से तात्पर्य भारत के मूल निवासियों से है। यदि आप इस भूमि पर 1,000, 2,000 या यहां तक कि 5,000 वर्ष पहले भी आते तो आप पाते कि जमीन का एक-एक इंच

आदिवासियों के हाथों में थी।

आदिवासी शब्द का अर्थ है कि यह देश आपका- राहुल गांधी ने आगे कहा कि अब 21वीं सदी में एक नया शब्द सामने आया है। यह शब्द है वनवासी, यह आरएसएस और भाजपा द्वारा गढ़ा गया है। वनवासी शब्द का तात्पर्य है कि आप इस जमीन के मूल स्वामी नहीं थे। वहीं आदिवासी शब्द का अर्थ है कि यह देश आपका था। भारत की जमीन, जल और जंगल सही मायने में आपकी थी। राहुल गांधी ने कहा कि आदिवासियों को वनवासी कहना संविधान और पूज्य आदिवासी नेता बिरसा मुंडा पर हमला है। वनवासी शब्द का प्रयोग यह दिखाता है कि आप मूल स्वामी नहीं थे।

- **बिरसा मुंडा, आंबेडकर, फुले के विचारों को बचा नहीं पा रहे-** राहुल गांधी ने आगे कहा कि जैसा कि किसी ने सही कहा है कि हम संविधान के लिए लड़ रहे हैं जिसमें हजारों साल पुरानी सोच जुड़ी है। मोदी समेत बीजेपी के लोग बिरसा मुंडा, आंबेडकर, फुले और गांधी की मूर्तियों के आगे सिर झुकाते हैं लेकिन वे उन विचारों को नहीं बचा पा रहे हैं जिनके लिए बिरसा मुंडा खड़े थे। वे उस मकसद को भी पूरा नहीं कर पा रहे हैं जिसके लिए उन्होंने अपनी जान दी थी। राहुल गांधी ने कहा कि संविधान में बिरसा मुंडा की सोच बसी है। जब भाजपा आदिवासियों को वनवासी कहती है और उनकी जमीन और जंगल बड़े व्यापारियों को दे देती है तो वह सिर्फ संविधान का अपमान नहीं करती बल्कि बिरसा मुंडा का भी अपमान करती है। अक्सर विकास के नाम पर आदिवासियों से उनकी जमीन बिना किसी मुआवजे के छीन ली जाती है क्योंकि भाजपा मानती है कि जमीन पर कोई हक नहीं है।

अमेरिका से ट्रेडडील पर सरकार को घेरा

अमेरिका के साथ ट्रेड डील पर राहुल गांधी ने कहा कि भारत के इतिहास में किसी भी प्रधानमंत्री ने कृषि क्षेत्र को इतना नहीं खोला। इसके पीछे एक कारण है। हमारे खेत छोटे हैं। अमेरिका में खेत 1,000, 5,000 या 10,000 एकड़ तक फैले हुए हैं। भारत में लोग हाथों से काम करते हैं और मशीनीकरण सीमित है जबकि अमेरिका में सब कुछ मशीनीकृत है। यदि उनके उत्पाद भारत के बाजारों में भर दिए गए तो देश के किसान पूरी तरह बर्बाद हो जाएंगे। राहुल गांधी ने कहा कि भारत ने दालों, सोयाबीन, फलों और कपास समेत अन्य के लिए बाजार खोल दिए हैं। भारत अगले 5 वर्षों में अमेरिका से 9 लाख करोड़ रुपये का सामान खरीदने के लिए तैयार है। यदि हम अमेरिकी कंपनियों से 9 लाख करोड़ रुपये का सामान खरीदते हैं तो हमारी कंपनियों का क्या होगा। हमारे छोटे उद्योगों का क्या होगा। भारत की सरकार ने अमेरिकी उत्पादों पर टैक्स शून्य कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

कमल साह हत्याकांड में दूसरा नामजद अभियुक्त अरेस्ट, रुपए के लेनदेन को लेकर हुई थी हत्या

हाजीपुर। वैशाली के लालगंज थाना क्षेत्र में हुए कमल साह हत्याकांड के दूसरे नामजद अभियुक्त मो. सिराजुल को गिरफ्तार कर लिया गया है। कमल साह की हत्या 22 अक्टूबर 2025 को रुपए के लेनदेन के विवाद में हुई थी। इस हत्याकांड के संबंध में लालगंज थाने में कांड संख्या 529/25 दर्ज किया गया था। घटना के तुरंत बाद एक अन्य नामजद अभियुक्त मो. शमशाद को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था। मो. सिराजुल की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी। 22 मार्च 2026 की रात लालगंज थानाध्यक्ष ने उसे उसके पैतृक गांव पोझियां से गिरफ्तार किया। मो. सिराजुल, जो पोझियां गांव निवासी मो. जलील का बेटा है, को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। पुलिस ने बताया कि सिराजुल पहले भी पुलिस अभिरक्षा से फरार हो चुका है। उस पर लालगंज थाने में दो अन्य आपराधिक मामले (कांड संख्या 436/23 और 371/24) भी दर्ज हैं।

छठ पर उमड़ी आस्था की भीड़, सीढ़ी-आश्रम घाट पर पहुंचे श्रद्धालु, डूबते सूर्य को अर्घ्य देंगी व्रती

मुजफ्फरपुर। लोक आस्था के महापर्व चैती छठ के अवसर पर मुजफ्फरपुर में भीड़ और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला है। शहर के अलग-अलग छठ घाटों पर व्रतियों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। खासकर सिकंदरपुर के सीढ़ी घाट और आश्रम घाट पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब देखने को मिला। मंगलवार को डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए दोपहर बाद से ही घाटों पर लोगों का पहुंचना शुरू हो गया था। सीढ़ी घाट पर शाम करीब 4 बजे से ही व्रती और उनके परिजन पहुंचने लगे। देखते ही देखते 4:30 बजे के बाद भीड़ में तेजी से इजाफा हुआ और घाट पूरी तरह श्रद्धालुओं से भर गया। व्रती ने पूरे विधि-विधान के साथ नदी में खड़े होकर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। घाटों पर छठ गीतों की गूंज, दीपों की रोशनी और पूजा-अर्चना का माहौल पूरा तरह भक्तिमय बना रहा। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में छठी मइया की आराधना करती नजर आईं। सिकंदरपुर सीढ़ी घाट और आश्रम घाट पर सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर प्रशासन की ओर से विशेष इंतजाम किए गए थे। घाटों की साफ-सफाई, रोशनी और सुरक्षा बलों की तैनाती की गई थी, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। चैती छठ के इस पावन अवसर पर पूरा शहर आस्था में डूबा नजर आया। अब बुधवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही चार दिवसीय इस महापर्व का समापन होगा।

हिंसक झड़प का सीसीटीवी वीडियो, आपसी विवाद में पथराव और मारपीट, 11 लोगों पर दुष्कर्म के प्रयास का आरोप

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के गुदरी रोड पर रविवार देर शाम हुई हिंसक झड़प का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। आपसी वर्चस्व को लेकर शुरू हुआ यह विवाद मारपीट और पथराव में बदल गया। इस मामले में 11 लोगों पर घर में घुसकर रेप के प्रयास का गंभीर आरोप लगा है। पुलिस ने चार आरोपियों को हिरासत में लिया है। फुटेज के आधार पर अन्य आरोपियों की पहचान कर रही है। जानकारी के अनुसार दो पक्षों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। यह विवाद अचानक बढ़ गया, जिसके बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। झड़प के दौरान लाठी-डंडों का इस्तेमाल किया गया और एक-दूसरे के घरों पर पथराव भी किया गया। इस हिंसक घटना में कई लोग घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना नगर थाना क्षेत्र की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए QRT के साथ-साथ बेला, सदर, ब्रह्मपुरा, काजी मोहम्मदपुर और सिकंदरपुर थानों की पुलिस को भी बुलाया गया। इलाके में तनाव को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है और लगातार निगरानी की जा रही है। यह पूरा घटनाक्रम आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गया है। वीडियो फुटेज में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि दोनों पक्ष किस तरह एक-दूसरे पर हमला कर रहे हैं। पुलिस अब इन्हीं फुटेज के आधार पर अन्य आरोपियों की पहचान कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की तैयारी में है। पीड़ित पक्ष की ओर से पुलिस को दिए गए आवेदन में 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। आरोप लगाया गया है कि आरोपी घर में घुस गए और महिलाओं के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। थानाध्यक्ष अनोज कुमार ने बताया कि आपसी विवाद में मारपीट और पथराव की घटना हुई है। दोनों पक्षों से चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। CCTV फुटेज के आधार पर अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है। आवेदन के आधार पर 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जिसमें घर में घुसकर दुष्कर्म की कोशिश का आरोप भी शामिल है।

लुटेरा गैंग के पति-पत्नी अरेस्ट, स्टेशन पर अकेली महिला को बेहोश कर लूटा

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जंक्शन पर महिला रेल यात्रियों को निशाना बनाने वाले पति-पत्नी लुटेरा गैंग का रेल पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपी स्टेशनों पर अकेली और भोली-भाली महिलाओं को निशाना बनाकर नशा खिलाते थे और फिर उनके गहने व सामान लूटकर फरार हो जाते थे। पकड़े गए आरोपी सदर थाना क्षेत्र के पताही के रहने वाले पंकज कुमार और उसकी पत्नी संयोगिता कुमारी हैं। दोनों रात के समय स्टेशन पर सक्रिय रहते थे और शिकार की तलाश में घूमते थे। हाल ही में दोनों ने एक बुजुर्ग महिला को अपना शिकार बनाया था। प्लेटफॉर्म संख्या-1 पर महिला बेहोशी की हालत में मिली थी, जिसे जीआरपी ने इलाज के लिए अस्पताल भेजा। होश में आने के बाद महिला ने बताया कि एक दंपति ने उसे कोल्ड्रिंक (माजा) पिलाया था, जिसके बाद वह बेहोश हो गई और उसके गहने गायब थे। मामले की जांच के दौरान जंक्शन पर लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया, जिसमें दोनों आरोपी नजर आए। इसके बाद आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर प्लेटफॉर्म संख्या-6 से दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपियों के पास से सोना तौलने की मशीन, एक टैब, लोहे का कटर समेत अन्य सामान बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार ये सामान लूट के गहनों को काटने और बेचने में इस्तेमाल किया जाता था। रेल डीएसपी रौशन कुमार ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। साथ ही उनसे पूछताछ कर इस गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

21 जेलों में बनेंगे 44 आवासीय भवन, 88.89 करोड़ होंगे खर्च

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार ने कारा कर्मियों के लिए आवासीय सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण योजना को मंजूरी दी है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को बताया कि राज्य की 21 काराओं में कुल 44 बी-टाइप (जी+3) आवासीय भवनों का निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक भवन की लागत 202.04 लाख रुपये निर्धारित की गई है, जिसके आधार पर कुल परियोजना की अनुमानित लागत 88 करोड़ 89 लाख 76 हजार रुपये तय की गई है। इस योजना का क्रियान्वयन वित्तीय वर्ष 2025-26 और आने वाले वर्षों में चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री चौधरी ने बताया कि यह योजना बिहार कारा हस्तक 2012 के नियमों के तहत लागू की जा रही है। इसके अनुसार मुख्य कक्षपाल और उससे ऊपर के अधिकारियों को कारा परिसर में किराया मुक्त आवास उपलब्ध कराना अनिवार्य है। साथ ही 10 प्रतिशत

कक्षपालों को पारिवारिक आवास और शेष को एकल आवासीय सुविधा देने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में वर्तमान में 5034 कक्षपाल पद स्वीकृत हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए मौजूदा और भविष्य की जरूरतों के अनुसार आवासीय ढांचे का विस्तार किया जा रहा है।

सम्राट चौधरी ने बताया कि मुजफ्फरपुर-02, पूर्णिया-03, मोतिहारी-04, आरा-02, भभुआ-02, बेतिया-01, सिवान-02, दरभंगा-02, मधुबनी-02, सीतामढ़ी-02, सुपौल-02, कटिहार-02, किशनगंज-02, सहरसा-02, बेगूसराय-02, जमुई-02, लखीसराय-02, मुंगेर-02, शेखपुरा-02, औरंगाबाद-02 और नवादा-02 सहित 21 काराओं में कुल 44 भवनों का निर्माण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी और आधुनिक बनाने के लिए सरकार लगातार आधारभूत संरचना के विकास पर काम कर रही है। हाल ही में पूर्वी चंपारण, अररिया, सारण, बेगूसराय और किशनगंज में थाना भवन और अन्य बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए 46.34 करोड़ रुपये की योजना को स्वीकृति दी गई है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के पूर्ण होने के बाद कारा कर्मियों को बेहतर आवासीय सुविधाएं मिलेंगी, जिससे उन्हें काम करने के लिए अनुकूल वातावरण मिलेगा और जेल प्रशासन की कार्यक्षमता में भी सुधार होने की उम्मीद है।

पटना- बोरिंग रोड चौराहे पर लगा कोबरा फाउंटेन

एजेंसी, पटना

पटना के बोरिंग रोड चौराहे की सूरत बदल गई है। यहां चौराहे के इर्द-गिर्द 3500 स्क्वायर फीट में ब्यूटिफिकेशन का काम किया गया है। यहां सोलर पॉम ट्री लगाया गया है, जिसे जयपुर से मंगाया गया है। यह लाइट करीब 15 फीट ऊंची है, जिसमें 500 वाट की बल्ब लगाई गई है। यह पूरी तरह से सोलर लाइट है, इसलिए रात में सोलर एनर्जी से जलती है। यहां के रास्तों की फ्लोरिंग राजस्थान से मंगाई गई लाइमस्टोन से की गयी है, जो ड्यूरेबिलिटी और सौंदर्य दोनों प्रदान करती है।

500 स्क्वायर फीट के एरिया में 2500 प्लांट्स लगाए गए: इसका काम को बुडको द्वारा किया गया है। 500 स्क्वायर फीट में ग्रीन वॉल बनाया गया है। इसके लिए चौराहा स्थिति शिव मंदिर के पीछे की दीवार को चिह्नित किया गया था। मंदिर की रिपेयरिंग, पेंटिंग, ग्लेरिंग करके ग्रीन वॉल बनाया गया है। ग्रीन वॉल में 500 स्क्वायर फीट के एरिया में 2500 प्लांट्स लगाए गए हैं। यह खास तरह की डिजाइनिंग होती है, जिसमें ड्रिप इरिगेशन सिस्टम लगते हैं, जहां पर पानी ऑटोमेटिक एक स्विच ऑन होता ही सारे प्लांट में अपने आप चले जाते हैं।

कोबरा फाउंटेन से सजा बोरिंग रोड: वहीं, यहां मौजूदा फाउंटेन को भी हटाकर नया लगाया गया है। दिल्ली से फाउंटेन को मंगाया गया है, जो की पूरी तरह से स्टेनलेस स्टील की बनी है। कोबरा शेप का यह फाउंटेन है। वहीं, यहां पर 'मेरा पटना मेरी जवाबदेही' का बोर्ड भी लगाया गया है और साथ ही पूरे एरिया में फसाड लाइट लगाई गई है। यहां पहले से स्थित पुलिस बूथ को भी अपने स्थान से आगे बढ़ाया गया है और रिनोवेट किया गया है।

बिहटा-सरमेरा के पास 30 एकड़ में 40.54 करोड़ से कैंपस

एजेंसी, पटना

पटना बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस-एक (बीएमपी-वन यानी गोरखा बटालियन) का मुख्यालय नौबतपुर जाएगा। नौबतपुर के चर्रा गांव में 30 एकड़ में इस बटालियन के लिए नया भवन बनेगा। इसमें जवानों के लिए बैरक से लेकर प्रशासनिक दफ्तर व अन्य निर्माण होंगे। 30 एकड़ जमीन मिल गई है। पूरे निर्माण कार्य में 40 करोड़ 54 लाख 41 हजार 38 रुपये की लागत आएगी। इसी कैंपस में ट्रेनिंग सेंटर भी होगा। अभी गोरखा बटालियन का मुख्यालय भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, पूर्वी क्षेत्र के पास हवाई अड्डा के कार्गो से कुछ दूर है। यह जमीन वेटनरी कॉलेज की है।

अभी इस बटालियन में 1300 जवान हैं। एडीजी आधुनिकीकरण सुधांशु कुमार ने बताया कि बीसैप-वन मुख्यालय भवन के अलावा पिछले तीन महीनों के दौरान 49 करोड़ 78 लाख रुपये के अलग-अलग भवनों की स्वीकृति भी दी गई है। इसमें चार थाना भवन, एक एसपी आवास सह कार्यालय और दो अनुमंडल स्तरीय कार्यालय शामिल हैं। इन सभी स्थानों पर जल्द ही निर्माण शुरू होने जा रहा है। सभी थानों के भवन तीन मंजिला होंगे और इनमें जरूरी फर्नीचर भी लगाए जाएंगे।

पहले रांची में थी यह बटालियन पहले गोरखा बटालियन रांची के धुर्वा में थी। साल 2000 में जब बिहार से झारखंड अलग हुआ तब बीएमपी-वन रांची से पटना शिफ्ट हुआ। वेटनरी कॉलेज के पास कैंपस मिला। 2002 में बिहार में इस बटालियन का गठन किया गया। 30 एकड़ जमीन नौबतपुर मुख्यालय से लगभग 6.5 किलोमीटर की दूरी पर बिहटा-सरमेरा फोरलेन से सटी हुई है। नए कैंपस में स्थायी भवन, बैरक, परेड मैदान और प्रशासनिक ढांचे का निर्माण किया जाएगा। वहां ट्रेनिंग सेंटर भी खुलेगा।

ओयो होटल में शराब पिलाकर गर्लफ्रेंड का यौन शोषण, 2 घंटे बाद युवती को आया होश

एजेंसी, पटना

पटना में कंपटीशन की तैयारी करने वाली युवती (26) का यौन शोषण हुआ है। लड़की के साथ गलत करने वाला उसका बॉयफ्रेंड अभिजीत (28) है। अभिजीत ने पीड़िता को OYO होटल P. SHAHI में बुलाया था। होटल के 103 नंबर कमरे में पीड़िता अभिजीत से मिलने गई थी। वहां अभिजीत ने गर्लफ्रेंड को पहले शराब पिलाई, फिर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया। फिर अभिजीत होटल के दूसरे कमरे में चला गया था। नशे में पीड़िता बेहोश हो गई थी। 2 घंटे बाद जब होश आया तो उसने डायल-112 की पुलिस को फोन किया। पुलिस जब होटल के नीचे आई तो अभिजीत फरार हो गया। पुलिस पीड़िता को थाने ले गई। मामला 13 मार्च का है। 15 मार्च को पीड़िता ने थाने में यौन शोषण का आवेदन दिया और 23 मार्च को पीड़िता ने पुलिस के सामने अपना स्टेटमेंट दिया है। केस दर्ज हो गया है। घटना शास्त्रीनगर इलाके की है।

6 साल से चल रहा था अफेयर: पीड़िता का औरंगाबाद के अभिजीत से करीब 6 साल से अफेयर चल रहा था। पटना में दोनों कंपटीशन की तैयारी करते हैं। कोचिंग में दोनों की मुलाकात हुई थी। धीरे-धीरे दोनों के बीच करीबी बढ़ी और अफेयर शुरू हो गया। पटना में अभिजीत ने एक किराए का फ्लैट ले रखा था। वहां युवती भी आना-जाना करती थी। बाद में दोनों ने एक साथ रहने का फैसला किया। पिछले 4 महीने से दोनों लिवइन रिलेशन में रह रहे थे। अभिजीत ने शादी का झांसा देकर युवती के साथ यौन शोषण किया।

लड़की को होटल तक दोस्त ने पहुंचाया: पीड़िता के अनुसार पिछले महीने फरवरी में अभिजीत ने किराए का फ्लैट छोड़ दिया और कहीं दूसरी जगह शिफ्ट हो गया। पीड़िता भी गर्ल्स हॉस्टल में रहने लगी। पिछले महीने ही अभिजीत के एक दोस्त से युवती को पता चला कि अभिजीत की दूसरी जगह शादी होने वाली है। जब युवती ने अभिजीत से शादी के बारे में पूछताछ की तो उसने कहा कि मिलकर सारी बातें बता दूंगा। 13 मार्च को अभिजीत ने पीड़िता को मिलने के लिए बुलाया। रात साढ़े 9 बजे अभिजीत ने अपने

♦ डायल-112 पर फोन कर पुलिस से मांगी मदद

दोस्त गुड्डू बाबा को युवती के पास भेजा। गुड्डू को युवती पहले से जानती थी। गुड्डू ने पीड़िता को होटल में अभिजीत के पास पहुंचा दिया। शादी को लेकर पहले तो दोनों के बीच बहस भी हुई।

मैं काफी घबरा गई थी, इसलिए बाद में स्टेटमेंट रिकॉर्ड कराया: पीड़िता का कहना है कि पुलिस मुझे होटल से रेस्क्यू कर शास्त्रीनगर थाने ले गई। उस दिन मैं काफी घबरा गई थी। इस कारण पुलिस के सामने अपना स्टेटमेंट रिकॉर्ड नहीं करा पाई थी। पुलिस ने मेरा मेडिकल कराया और जाने दिया था। 23 मार्च को मैं अपने मां-पिता के साथ थाने पहुंची और लिखित शिकायत की है।

लॉ एंड ऑर्डर SDPO 2 साकेत कुमार बताया कि एक होटल में लड़की के साथ यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। एफआईआर की टीम को भी बुलाई गई थी। आगे होटल के सीसीटीवी फुटेज को देखा जा रहा है। हर एक पहलू पर जांच हो रही है। जिस तरीके का एविडेंस निकलकर सामने आएगा, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। फिलहाल युवक फरार है।

प्रखंडों में मॉडल स्कूल से होगी शिक्षा में क्रांतिः हिमराज राम

एजेंसी, पटना

जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम ने मीडिया में जारी बयान में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी पहल की जा रही है। राज्य के सभी 534 प्रखंडों में मॉडल स्कूल स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे अब उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की मजबूत तैयारी का मार्ग गाँव-गाँव और प्रखंड-प्रखंड तक पहुंचेगा। यह कदम केवल स्कूल खोलने भर की योजना नहीं है, बल्कि बिहार के विद्यार्थियों के सपनों को दिशा देने और उन्हें अवसरों से जोड़ने का एक सशक्त संकल्प है।

उन्होंने कहा कि इन मॉडल स्कूलों के माध्यम से लगभग 25 हजार विद्यार्थियों का नामांकन किया जाएगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन विद्यालयों में 9वीं कक्षा से ही छात्रों को जेईई, नीट तथा अन्य

प्रतियोगी परीक्षाओं की व्यवस्थित और गुणवत्तापूर्ण तैयारी कराई जाएगी। अब बिहार के बच्चों को बड़े शहरों या महंगे कोचिंग संस्थानों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, बल्कि उन्हें अपने ही प्रखंड स्तर पर बेहतर शैक्षणिक वातावरण और प्रतिस्पर्धी तैयारी की सुविधा उपलब्ध होगी। प्रवक्ता ने कहा कि यह योजना मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की उस सोच का परिणाम है, जिसमें शिक्षा को केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि भविष्य निर्माण का सबसे सशक्त साधन माना गया है। दाखिले के समय ही छात्रों से उनकी पसंद और रुचि पूछी जाएगी, ताकि उन्हें उनकी अभिरुचि और लक्ष्य के अनुरूप मार्गदर्शन तथा शैक्षणिक तैयारी उपलब्ध कराई जा सके। इससे छात्रों के भीतर आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे प्रारंभिक स्तर से ही अपने करियर की दिशा स्पष्ट कर सकेंगे।

यह पहल बिहार के शैक्षणिक ढांचे में गुणात्मक बदलाव लाने वाली है। इससे न केवल ग्रामीण और पिछड़े इलाकों के विद्यार्थियों को समान अवसर मिलेगा, बल्कि सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को भी डॉक्टर, इंजीनियर और अन्य प्रतिष्ठित क्षेत्रों में आगे बढ़ने का वास्तविक अवसर प्राप्त होगा। यह शिक्षा में समानता, अवसर और गुणवत्ता-तीनों को एक साथ सुनिश्चित करने वाला कदम है।

बड़हिया के मंदिर पहुंचे अनंत सिंह, समर्थकों ने खोला जूता, मोकामा में सूरजभान को दी चुनौती!

एजेंसी, पटना

दुलारचंद हत्याकांड में 141 दिनों बाद जेल से रिहा हुए अनंत सिंह आज बड़हिया स्थित त्रिपुरा सुंदरी मंदिर शक्ति धाम में पूजा किया। अनंत सिंह मंदिर के गेट पर पहुंचे तो समर्थकों ने जूता खोला, फिर मंदिर में प्रवेश किया। इसके लिए सुबह पटना से निकले, इस दौरान जगह-जगह उनका समर्थकों ने स्वागत किया। अनंत सिंह के साथ 200 गाड़ियों का काफिला चल रहा है। अथमलगोला में समर्थकों ने अनंत सिंह को शेर-ए-बिहार बताया। अनंत सिंह ने अपने पैतृक गांव नदवां पहुंचकर कुलदेवी की पूजा की। मंदिर के पुजारी ने कहा कि एक भोले बाबा का मंदिर बनवा दीजिए। इस पर अनंत सिंह ने कहा कि ठीक है। एकदम बनवा देंगे। आगे बढ़ने पर पंडारक में उनका जोरदार स्वागत किया गया। समर्थकों ने जेसीबी से अनंत सिंह पर फूल बरसाए। उसके बाद बाहुबली मोकामा पहुंचे, जहां समर्थकों ने ढोल-नगाड़े के साथ स्वागत किया। उन्होंने परशुराम मंदिर में आरती की।

मोकामा बाजार में अनंत सिंह पैदल सूरजभान सिंह के पेट्रोल पंप तक गए, इस दौरान समर्थक नारेबाजी करते रहे। फिर गाड़ी में बैठकर आगे निकले। इस दौरान अनंत सिंह ने कहा कि पटना से यहां आने में 100 बार गाड़ी से उतर चुका हूं। विधानसभा चुनाव में अनंत सिंह के सामने सूरजभान की पत्नी वीणा देवी राजद कैंडिडेट थीं। चुनाव के दौरान दोनों तरफ से खूब बयानबाजी हुई थी।

अनंत बोले- मुझे झूठे मामले में फंसायाः अनंत सिंह सोमवार (23 मार्च) को लैंड क्रूजर में बैठकर बेऊर जेल से बाहर आए। जेल से बाहर आते ही उनके समर्थकों ने नारेबाजी की। जेल से बाहर आने के बाद अनंत सिंह सीधे विधायक आवास पहुंचे। यहां उन्होंने हाथ हिलाकर समर्थकों का अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि उन्हें झूठे मामले में फंसाया गया है और वे घटना के समय स्थल से करीब 4 किलोमीटर दूर थे।

दुलारचंद मर्डर केस में मिली है बेलः 30 अक्टूबर 2025 को बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान दुलारचंद यादव की हत्या हुई थी। जिसके बाद 1 नवंबर को पटना SSP ने मोकामा आवास से विधायक को अरेस्ट किया था। कोर्ट में पेशी के बाद 2 नवंबर को अनंत सिंह को बेऊर जेल भेजा गया, लगभग 4 महीने बाद 20 मार्च को राजद नेता को दुलारचंद हत्याकांड में पटना हाईकोर्ट से जमानत मिली है।

27 जिलों में लगेंगे एएनपीआर कैमरे

एजेंसी, पटना

राजधानी पटना में 20 और नए स्थानों पर ट्रैफिक सिग्नल और सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इसका मकसद ट्रैफिक जाम से निजात दिलाना, अपराधियों की पहचान करना और ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना है। करीब तीन महीने पहले पटना में 30 स्थानों पर कैमरे और ट्रैफिक सिग्नल लगाए गए थे। फिलहाल, पूरे जिले में 3300 सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। वहीं 58 ट्रैफिक सिग्नल काम कर रहे हैं। ट्रैफिक एडीजी सुधांशु कुमार ने बताया कि बिहार के चारों स्मार्ट सिटी और सभी प्रमंडलीय मुख्यालयों के अलावा कुल 27 जिलों में एएनपीआर कैमरे लगेंगे। पटना के प्रमुख स्थानों पर ट्रैफिक सिग्नल और कैमरा लगाए जाने की योजना है। मीठापुर न्यू बाइपास पुल के नीचे, मलाही पकड़ी, करबिगहिया चौधरी पेट्रोल पंप, मुन्ना चक, डीपीएस मोड़ सर्विस रोड दक्षिणी छोर, गोला रोड सर्विस रोड चौराहा उत्तरी लेन, रूपसपुर पुल वेस्ट साइड उत्तरी लेन, रूपसपुर पुल ईस्ट साइड, आरा गार्डन मोड़, आयुक्त कार्यालय मोड़, स्वामी नंदन तिराहा, गौरैया टोली, जीपीओ के नीचे, डंकी इमली, एनआईटी मोड़, आर ब्लॉक नीचे। स्मार्ट सिटी और पटना ट्रैफिक पुलिस ने राजधानी में ट्रैफिक लाइट और सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए सर्वे किया है।

बिहार में बिना लाइसेंस नहीं चलेंगे मीट शॉप

एजेंसी, पटना

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा का बड़ा ऐलान किया है। अब अवैध मांस की बिक्री पर पूरी तरह प्रतिबंध लगेगा। बिहार में बिना लाइसेंस एक भी मीट शॉप नहीं चलेगा। धार्मिक स्थल, स्कूल, भीड़ वाले क्षेत्र में विशेष निगरानी की जाएगी। पार्किंग के नाम पर अवैध वसूली बंद किया जाएगा। सभी पार्किंग स्थलों पर एक रेट चार्ट होगा। इसके अलावा कहा कि बिहार में 11 नए टाउनशिप बनाने का फैसला लिया गया है। सभी टाउनशिप को प्लांड सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा। किसी भी नए शहर के विकास को सभी सुविधाओं के साथ विकसित करेंगे। उन्होंने कहा कि ग्रीन सिटी को

लेकर सरकार लगातार काम कर रही है। पहली बार सभी नगर निकायों का ऑडिट किया जा रहा। CAG की ओर से अब सभी नगर निकायों का ऑडिट होगा। पहले विभाग के चार्टर एकाउंटेंट से ऑडिट होता था, अब CAG की ओर से ऑडिट किया जाएगा। दरअसल, उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने नगर विकास एवं आवास विभाग के 100 दिन की उपलब्धि गिनाई। उन्होंने बधाई देते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार लगातार विकास कर रही है।

❑ धार्मिक स्थल-स्कूल, भीड़ वाले क्षेत्र में विशेष निगरानी, राज्य में 11 नए टाउनशिप भी बनेंगे

रजिस्ट्रेशन वाले ही लगा सकते होर्डिंगः उन्होंने होर्डिंग लगाने को लेकर निर्देश जारी किया है। अब जिसका रजिस्ट्रेशन होगा, वही होर्डिंग लगा सकता है, बाकी सभी अवैध माने जाएंगे। वहीं, सशक्त स्थाई समिति पहले चयन किया जाता था। अब सभी पार्षदों के वोट से सशक्त स्थाई समिति के सदस्य चुने जाएंगे। दूसरी ओर अतिक्रमण मुक्त करने के लिए लगातार कार्रवाई जारी है। मॉनसून पूर्व तैयारी के लिए नगर विकास विभाग ने वॉट्सऐप नंबर जारी किया जा रहा। कोई भी व्यक्ति नाले जाम या अतिक्रमण की जानकारी दे सकते है। सभी कार्यपालक पदाधिकारी को स्थाई मोबाइल नंबर दिया गया है। अधिकारी बदलने के बाद नंबर नहीं बदलेगा।

सभी नक्शा डिजिटल रूप से पास कराया जाएगा: उन्होंने ये भी जानकारी दी कि डस्टबिन में अनियमितता मिली थी, जिसकी जांच की जा रही है। स्वच्छता के नाम पर अब सिर्फ खानापूर्ति नहीं चलेगी। प्रधान सचिव के नेतृत्व में एक कमेटी बनाई जा रही है। वहीं, बिल्डिंग बायलॉज संशोधन का प्रयास किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

34 लाख गबन मामले में पूर्व पैक्स अध्यक्ष गिरफ्तार

• राशि जमा नहीं करने पर पुलिस ने की कार्रवाई, वारंट के आधार पर भेजा गया जेल

बीएनएम @ मोतिहारी/हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के जागापाकड़ पैक्स के पूर्व अध्यक्ष विपिन गिरि को पुलिस ने 34 लाख रुपये गबन मामले में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उन पर कोऑपरेटिव बैंक की बकाया राशि जमा नहीं कराने का आरोप है, जिसके तहत पहले से गिरफ्तारी वारंट जारी था। जानकारी के अनुसार, विपिन गिरि पर आरोप है कि पैक्स अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने कोऑपरेटिव बैंक की करीब 34 लाख रुपये की राशि जमा नहीं कराई। इस मामले में जिला सहकारिता पदाधिकारी द्वारा कार्रवाई करते हुए उनके खिलाफ केस दर्ज कराया गया था। इसके बाद 5 मार्च 2025 को उनकी गिरफ्तारी भी हुई थी, लेकिन बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। जमानत के दौरान उन्हें एक सप्ताह के भीतर बकाया राशि जमा करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन निर्धारित समय सीमा के बावजूद उन्होंने राशि जमा नहीं की। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, लगभग एक वर्ष बीत जाने के बाद भी राशि जमा नहीं होने पर न्यायालय ने पुनः उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इसी के आलोक में हरसिद्धि पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया। प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष ऋषभ कुमार ने बताया कि आरोपी को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

चैती छठ को लेकर मोतिहारी पुलिस अलर्ट, घाटों पर सख्त सुरक्षा व्यवस्था

संध्या अर्घ्य के दौरान भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा पर विशेष निगरानी

बीएनएम @ मोतिहारी। चैती छठ पर्व के पावन अवसर पर संध्या अर्घ्य के दौरान शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए मोतिहारी पुलिस पूरी तरह सतर्क दिखी। जिले के सभी प्रमुख छठ घाटों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है, ताकि पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। पुलिस प्रशासन द्वारा भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। वरिष्ठ अधिकारी लगातार विभिन्न घाटों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं। जिले के जिन थाना क्षेत्रों में विशेष रूप से सुरक्षा बढ़ाई गई है, उनमें सुगौली, अरेराज, रघुनाथपुर, झरोखर, पिपरा, चकिया, नकारदेई और पहाड़पुर शामिल हैं। इन क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर निगरानी तेज कर दी गई है। पुलिस प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि चैती छठ पर्व शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराया जा सके।

चंपारण में एलपीजी आपूर्ति सामान्य, वितरण व्यवस्था सुचारू

पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध, कालाबाजारी पर प्रशासन सख्त

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले में एलपीजी गैस की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। 23 मार्च 2026 के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम के माध्यम से पर्याप्त मात्रा में गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। जिले में कुल 115 गैस एजेंसियां कार्यरत हैं, जो उपभोक्ताओं तक नियमित रूप से गैस की होम डिलीवरी कर रही हैं। 1 मार्च से 23 मार्च 2026 तक कुल 4,17,716 बुकिंग के मुकाबले 3,57,223 सिलेंडरों की डिलीवरी की गई है, जिससे आपूर्ति व्यवस्था संतुलित बनी हुई है। 23 मार्च की स्थिति के अनुसार, एक दिन में 11,412 बुकिंग के विरुद्ध 12,571 सिलेंडरों का वितरण किया गया, जबकि कंपनियों से 10,881 सिलेंडर प्राप्त हुए। वर्तमान में जिले में 62,044 सिलेंडर का स्टॉक उपलब्ध है, जबकि लंबित बुकिंग 11,412 है। जिले के सभी वितरक सक्रिय रूप से गैस की आपूर्ति कर रहे हैं। हालांकि, होम डिलीवरी नहीं करने वाली तीन गैस एजेंसियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। जिला प्रशासन ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अनावश्यक बुकिंग से बचें और गैस का उपयोग केवल घरेलू जरूरतों के लिए करें। किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या जमाखोरी की सूचना जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 06252-242418 पर देने को कहा गया है।

एनडीपीएस एक्ट का फरार आरोपी कोर्ट में सरेंडर

बीएनएम @ मोतिहारी। आदापुर थाना कांड संख्या-227/24 के एनडीपीएस एक्ट के एक फरार आरोपी ने आखिरकार न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। जानकारी के अनुसार झिटकहींयां निवासी संदीप कुमार (पिता– कृष्णा राय) ने 23 मार्च 2026 को माननीय न्यायालय में सरेंडर किया। बताया जाता है कि आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। पुलिस की बढ़ती कार्रवाई और दबाव के चलते आरोपी ने स्वयं न्यायालय में उपस्थित होकर आत्मसमर्पण कर दिया।

अलग-अलग कार्रवाई में छह आरोपी गिरफ्तार, पांच शराबी और एक वारंटी

बीएनएम @ तुरकौलिया। रघुनाथपुर एवं तुरकौलिया थाना पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें पांच शराब के नशे में पकड़े गए, जबकि एक वारंटी शामिल है। जानकारी के अनुसार, तुरकौलिया पुलिस ने चार शराबियों को गिरफ्तार किया, जबकि रघुनाथपुर पुलिस ने एक शराबी और एक वारंटी को पकड़ा। गिरफ्तार शराबियों में बेतिया जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के मोतीपुर निवासी अनुराग कुमार, शंकर सरैया के मोतीलाल राम, वृतिया लोकनाथपुर के परिमल राम, बनकटी बिजुलपुर के आनंद कुमार तथा रघुनाथपुर के राजकुमार दुबे शामिल हैं। वहीं वारंटी मजूराहा निवासी दरोगा पासवान है। बताया जाता है कि तुरकौलिया चौक पर वाहन जांच के दौरान तेज गति से आ रही एक कार को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें चालक अनुराग कुमार शराब के नशे में पाया गया। इसके अलावा हाई स्कूल के पीछे छापेमारी कर तीन अन्य शराबियों को पकड़ा गया। उधर, रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के भवानी चौक पर हंगामा कर रहे राजकुमार दुबे को पुलिस ने गिरफ्तार किया। ब्रेथ एनालाइजर से जांच में उसके शराब पीने की पुष्टि हुई। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी

मोतिहारी चैंबर ऑफ कॉमर्स की 27वीं कार्यकारिणी की तीसरी बैठक संपन्न

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। चैंबर ऑफ कॉमर्स की 27वीं कार्यकारिणी की तीसरी बैठक बंजरिया पंडाल स्थित एक निजी होटल के सभागार में अध्यक्ष महेश सिन्हा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। उक्त बैठक की शुरुआत विशेष आमंत्रित पूर्व अध्यक्ष महेश चंद्र लाल, डॉ. विवेक गौरव, राजीव विजडम, पूर्व उपाध्यक्ष अभिमन्यु कुमार एवं सदस्य कुशल लाल के स्वागत और परिचय से हुई। बैठक दो सत्रों में सम्पन्न हुई। प्रथम सत्र में नॉर्थ बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष श्याम भीमसरिया, सज्जन शर्मा, मुकेश कुमार सहित मोतिहारी चैंबर की पूरी कार्यकारिणी उपस्थित रही। सभी सदस्यों ने चंपारण एक्सपो 2026 को सफल बनाने का संकल्प लिया और उद्योग मेले की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की। यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया कि पांच दिवसीय मेले में बिहार भर से आने वाले स्टॉल धारकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उद्योग मेले का उद्घाटन तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त गिरिवर दयाल सिंह, जिलाधिकारी सौरव जोरवाल तथा पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात संयुक्त रूप से करेंगे। इस आयोजन में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, सांसद राधा मोहन सिंह, संजय जायसवाल, मंत्री दिलीप जायसवाल सहित कई स्थानीय विधायक और जनप्रतिनिधि भाग लेंगे। साथ ही नेपाल के बीरगंज चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की टीम भी शामिल होगी। दूसरे सत्र में महासचिव आलोक कुमार ने पिछली बैठक की कार्यवाही और गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की, जबकि कोषाध्यक्ष अनिल बोहरा ने आय-व्यय का ब्यौरा दिया। अध्यक्ष महेश सिन्हा ने कहा कि चैंबर व्यवसायियों के हितों के लिए सदैव तत्पर है और उनके कार्यकाल की प्राथमिकता चैंबर भवन का निर्माण रहेगा।बैठक में वर्तमान ऊर्जा संकट और रसोई गैस की कमी पर भी चिंता व्यक्त की गई। व्यावसायिक गैस आपूर्ति में कमी से होटल एवं रेस्टोरेंट व्यवसाय प्रभावित हो रहे हैं, जिस पर चैंबर ने केंद्र सरकार के गैस आपूर्ति बढ़ाने के निर्णय का स्वागत करते हुए जिला प्रशासन से इसे सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। बैठक में संयोजक मनीष कुमार, पूर्व अध्यक्ष अंगद सिंह, बीरेंद्र जालान, संजय जायसवाल, रवि कृष्ण लोहिया, सुधीर अग्रवाल, अनुपम जायसवाल, उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता, सुरेश चंद्र तथा अन्य कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे। अंत में सह सचिव विनय देवकुलियार ने धन्यवाद ज्ञापन किया और राष्ट्रगान के साथ सभा स्थगित की गई। यह जानकारी महासचिव एवं मीडिया प्रभारी आलोक कुमार ने दी।

चैती छठः व्रतियों ने दिया डूबते सूर्य को अर्घ्य

बीएनएम @ मोतिहारी/रामगढ़वा

मोतिहारी/रामगढ़वा। लोक आस्था के महापर्व चैती छठ के तीसरे दिन जिले के विभिन्न छठ घाटों पर व्रतियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को संध्या अर्घ्य अर्पित किया। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत माहौल देखने को मिला। घाटों पर व्रतियों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे पूरा वातावरण छठी मइया के गीतों और भजनों से गुंजायमान हो उठा। व्रती पूरे विधि-विधान के साथ जल में खड़े होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य देते नजर आए। घाटों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, वहीं स्वच्छता और रोशनी की विशेष व्यवस्था भी की गई थी। कई स्थानों पर सामाजिक संगठनों एवं स्थानीय लोगों ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सहयोग किया। इधर, रामगढ़वा प्रखंड के विभिन्न छठ घाटों पर भी श्रद्धा और उल्लास के साथ संध्या अर्घ्य अर्पित किया गया। व्रतियों की भीड़ और पारंपरिक गीतों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। रामगढ़वा में थानाध्यक्ष राजीव कुमार शाह के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात रहा, वहीं एसआई अजीत सिंह समेत अन्य पुलिसकर्मी लगातार घाटों पर निगरानी करते रहे। पुलिस की सक्रियता के कारण श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई और पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। अब व्रती बुधवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे, जिसके साथ चार दिवसीय इस महापर्व का समापन होगा। इस अवसर पर लोगों ने परिवार की सुख-समृद्धि और समाज की खुशहाली की कामना की।

जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक में योजनाओं की समीक्षा, लक्ष्य पूरा करने के निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। समाहरणालय स्थित जिला उद्योग केंद्र सभागार में मंगलवार को जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर समाहर्ता (लोक शिकायत) शैलेंद्र कुमार भारती ने की। इसमें अग्रणी जिला प्रबंधक राजेंद्र कुमार पाण्डेय, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र शुभम कुमार, आरसेटी निदेशक बिपिन कुमार समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बैंक प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक में वार्षिक ऋण योजना, ऋण-जमा अनुपात, पीएमईजीपी, पीएमएफएमई, पीएमएसवीए निधि, स्वयं सहायता समूहों के क्रेडिट लिंकेज तथा पशुपालन और मत्स्य पालन हेतु केसीसी योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। महाप्रबंधक शुभम कुमार ने योजनाओं की बैंकवार प्रगति पर चर्चा करते हुए शेष वित्तीय वर्ष में बेहतर प्रदर्शन की आवश्यकता पर बल दिया। अपर समाहर्ता ने सभी बैंकों और अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य समय पर पूरा करने का निर्देश दिया और कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता होनी चाहिए। वहीं अग्रणी जिला प्रबंधक ने बताया कि सभी आवेदनों को तत्परता से संबंधित बैंकों को भेजा जा रहा है तथा जीविका के कार्यों की सराहना की। बैठक में नाबार्ड द्वारा तैयार वर्ष 2026-27 की संभाव्यता युक्त ऋण योजना (पीएलपी) का विमोचन भी किया गया। नाबार्ड के डीडीएम आनंद अतिरेक ने बताया कि जिले की कुल ऋण संभाव्यता 10,582.89 करोड़ रुपये आंकी गई है, जिसमें कृषि और एमएसएमई क्षेत्रों का प्रमुख योगदान रहेगा। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई।

रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि एवं किल्लत के खिलाफ कांग्रेस का विरोध मार्च, पुतला दहन

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चम्पारण जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष ई. शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय के नेतृत्व में केन्द्र सरकार की जन-विरोधी नीतियों के खिलाफ मंगलवार को अपराह्न 01:00 बजे कांग्रेस आश्रम, बंजरिया पंडाल से जानपुल चौक तक विरोध मार्च निकाला गया। इसके पश्चात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी का पुतला दहन किया गया। श्री राय ने अपने संबोधन में कहा कि नरेन्द्र मोदी ने देश के हितों से समझौता करते हुए भारत को विदेशी प्रभाव में धकेल दिया है। उन्होंने प्रश्न उठाया कि जब रूस और ईरान भारत को सस्ते दर पर कच्चा तेल एवं गैस उपलब्ध करा रहे थे, तो ऐसी कौन-सी परिस्थिति उत्पन्न हुई कि सरकार को महंगे दामों पर अमेरिका से खरीदारी करनी पड़ रही है। पूर्वी चम्पारण के प्रभारी मिथलेश कुमार निषाद एवं पूर्व मंत्री श्याम बिहारी प्रसाद ने कहा कि क्षेत्र में गैस की भारी किल्लत है, जबकि सरकार इसे नकारते हुए कालाबाजारी का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारी से बच रही है। आम उपभोक्ता घंटों लंबी कतारों में खड़े रहने को मजबूर हैं, फिर भी उन्हें गैस उपलब्ध नहीं हो पा रही है, जिससे जनता को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस कार्यक्रम में संगठन प्रभारी शैलेन्द्र सिंह, प्रो. विजय शंकर पाण्डेय, डा. अफरोज आलम, मो. अनवर आलम अंसारी, मो. आबिद हुसैन, महानगर अध्यक्ष रोमा खान, ब्रजेंद्र तिवारी, सत्येंद्र तिवारी, पप्पू मिश्र, चुमन जायसवाल, मो. अजहर हुसैन, राहुल शर्मा, अजय झा, रमेश सहनी, रघुनाथ गुप्ता, मो. आबिद मुखिया, सरोज कुमार, गुड्डू सिंह, चन्देश्वर सिंह, प्रसांत कुमार, नन्दकिशोर चौबे, विन्देश्वर सिंह, बृजमोहन सिंह, मनोज कुमार प्रसाद, ब्रजेश श्रीवास्तव, जागाराम शास्त्री, ऋषिकान्त तिवारी, रामबाबू सिंह, संजय यादव, धनंजय तिवारी, रामप्रवेश तिवारी, गणेश केसरी, मो. नेयाज अहमद खान, अवधेश सिंह, शैलेश ठाकुर, संजीव ठाकुर, रविन्द्र नाथ तिवारी, निरज तिवारी, पिन्टू श्रीवास्तव, पप्पू ठाकुर सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे।

अरेराज में पीडीएस व्यवस्था पर सख्ती, जांच और समीक्षा तेज

» निरीक्षण में पारदर्शिता के निर्देश, बैठक में अपात्र राशन कार्ड हटाने पर जोर

बीएनएम @ मोतिहारी/अरेराज

मोतिहारी/अरेराज। अनुमंडल पदाधिकारी अंजली शर्मा ने मंगलवार को हरसिद्धि प्रखंड के मानिकपुर पंचायत में चार जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकानों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विक्रेताओं को निर्धारित समय पर दुकान खोलने और खाद्यान्न का पारदर्शी वितरण सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। एसडीओ ने फोर्टीफाइड चावल के वितरण पर विशेष जोर देते हुए कहा कि लाभार्थियों को इसके पोषण संबंधी लाभों की जानकारी दी जाए। उन्होंने दुकानों की साफ-सफाई और व्यवस्थापन पर भी ध्यान देने को कहा तथा मौके पर मौजूद लोगों से संवाद कर फीडबैक लिया। इस दौरान एक आंगनवाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया गया, जहां सेवाओं के बेहतर संचालन के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं, अनुमंडलीय सभागार में खाद्य एवं आपूर्ति समिति की मासिक बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें राशन वितरण व्यवस्था की समीक्षा की गई। एसडीओ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आरसीएमएस के माध्यम से प्राप्त राशन कार्ड आवेदनों की पात्रता की जांच कर समय पर निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में संदेहास्पद और अपात्र लाभुकों के नाम राशन कार्ड सूची से हटाने की प्रक्रिया पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि नोटिस अवधि समाप्त होने के बाद विलोपन की कार्रवाई शुरू की जा रही है, हालांकि पात्र परिवार अपने साक्ष्य प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके साथ ही सभी राशन कार्डधारियों के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य कर दिया गया है। लाभुकों को अपने नजदीकी पीडीएस विक्रेता के पास जाकर ई-पॉस मशीन के माध्यम से प्रक्रिया पूरी करनी होगी, अन्यथा भविष्य में राशन लाभ से वंचित होना पड़ सकता है।

लंबित कांडों की समीक्षा, एसडीपीओ ने दिए सख्त निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी/अरेराज

मोतिहारी/अरेराज। अरेराज अनुमंडल में लंबित आपराधिक मामलों की समीक्षा के लिए अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) रवि कुमार ने की। इसमें अंचल पुलिस निरीक्षक केसरिया और विभिन्न थाना क्षेत्रों के प्रवेक्षी अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में नगर, पहाड़पुर, मेहसी, घोड़ासहन, पताही और तुरकौलिया थाना क्षेत्रों के लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों ने प्रत्येक कांड की प्रगति का आकलन करते हुए अनुसंधानकर्ताओं से अद्यतन जानकारी ली। विशेष ध्यान कुंडवाचैनपुर, पताही, बिजधरी, पहाड़पुर, मेहसी, तुरकौलिया और नगर थाना क्षेत्रों के लंबित मामलों पर दिया गया। एसडीपीओ ने निर्देश दिए कि सभी लंबित कांडों का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। अनुसंधानकर्ताओं को साक्ष्य संकलन में तेजी लाने, केस डायरी नियमित अद्यतन रखने और फरार अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए भी कहा गया। बैठक का उद्देश्य लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन कर कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करना और आम जनता को त्वरित न्याय दिलाना बताया गया।

नशा मुक्त अभियान की पाँचवीं वर्षगांठ पर जागरूकता कार्यक्रम, युवाओं को दिलाई शपथ

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। नशा मुक्त अभियान की पाँचवीं वर्षगांठ के अवसर पर मंगलवार को जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, मुंशी सिंह महाविद्यालय और आज़ाद यूथ ऑर्गेनाइजेशन के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय जागरूकता एवं प्रशिक्षण-सह-उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में सहायक प्रशासी पदाधिकारी संजय कुमार सिंह, जिला समन्वयक राजीव रंजन झा तथा मुख्य वक्ता सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. अरुण कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अपने संबोधन में डॉ. अरुण कुमार ने नशे के कारणों, दुष्प्रभावों और उससे मुक्ति के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। इस दौरान उन्होंने महात्मा गांधी के विचारों और चंपारण सत्याग्रह का उल्लेख करते हुए कहा कि नशा मुक्ति के लिए सतत और संगठित प्रयास जरूरी हैं। वहीं संजय कुमार सिंह ने अभियान में युवाओं की भागीदारी को बेहद अहम बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गौरव भारती ने किया, जबकि अंत में कफील अहमद आज़ाद ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर छात्रों को जागरूकता से जुड़े टोपी और टी-शर्ट भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के कई प्राध्यापक भी उपस्थित रहे। अंत में सभी प्रतिभागियों ने 'नशा मुक्त भारत' की सामूहिक शपथ लेकर समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया।

अत्याचार निवारण मामलों की समीक्षा, एससी-एसटी मामलों में 60 दिनों आरोपपत्र दाखिल करने का निर्देश

» जिला स्तरीय सतर्कता समिति की बैठक में मुआवजा, पेंशन व चार्जशीट पर चर्चा

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। डॉ. राधाकृष्ण भवन में मंगलवार को जिला स्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक जिला पदाधिकारी के निर्देश पर अपर समाहर्ता (लोक शिकायत) की अध्यक्षता में हुई, जिसमें अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 और मैनुअल स्कैवेंजर रोजगार निषेध एवं पुनर्वास अधिनियम 2013 के तहत मामलों की समीक्षा की गई। बैठक में अपर समाहर्ता (विभागीय जांच), जिला कल्याण पदाधिकारी, डीएसपी मुख्यालय, एससी-एसटी थाना प्रभारी, सुगौली विधायक के प्रतिनिधि समेत कई अधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल 240 मामलों में प्रथम किस्त के रूप में मुआवजा राशि का भुगतान किया जा चुका है। एक हत्या के मामले में मृतक की आश्रित पत्नी रागिनी कुमारी को परिचारी पद पर नियुक्ति के लिए अनुशंसा भी की गई है। अध्यक्षता कर रहे पदाधिकारी ने सभी थानाध्यक्षों एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि एससी-एसटी से जुड़े मामलों में 60 दिनों के भीतर आरोपपत्र दाखिल किया जाए। साथ ही लंबित मामलों का जल्द निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि जिले के 52 मामलों में मृतकों के आश्रितों को प्रतिमाह पेंशन दी जा रही है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सभी योजनाओं का लाभ समय पर पात्र लाभार्थियों तक पहुंचे और इसकी नियमित निगरानी की जाए।

संक्षिप्त समाचार

अरेराज के शारदा आर्ट्स कोचिंग संस्थानम् के छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में लहराया सफलता का परचम

बीएनएम @अरेराज। शिक्षा के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बना चुके सोमेश्वर कॉलोनी स्थित शारदा आर्ट्स कोचिंग संस्थानम् के विद्यार्थियों ने वार्षिक परीक्षा परिणामों में एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। संस्थान के बेहतर शैक्षणिक वातावरण और शिक्षकों के कड़े परिश्रम की बदौलत छात्र-छात्राओं ने शानदार अंक प्राप्त कर न केवल अपने माता-पिता का नाम रोशन किया है, बल्कि पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। इस वर्ष के परीक्षा परिणामों में साहेब कुमार ने सर्वाधिक 449 अंक प्राप्त कर संस्थान में टॉप किया है, जबकि सारिका कुमारी ने 436 अंक लाकर दूसरा स्थान प्राप्त किया। सफलता का यह सिलसिला यहीं नहीं थमा, संस्थान की आदिती कुमारी ने 401 अंक और पलक कुमारी ने 400 अंक प्राप्त कर अपनी मेधा का परिचय दिया। इसके साथ ही आरती कुमारी, तान्या कुमारी, अस्मिता कुमारी और सिमरन कुमारी जैसी छात्राओं ने भी 390 से अधिक अंक हासिल कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों की श्रेणी में अपना स्थान सुरक्षित किया। संस्थान के दर्जनों अन्य छात्र-छात्राओं, जिनमें श्रेया, पायल, मुस्कान, अनामिका, अभिमन्यु और विनय शामिल हैं, ने भी 300 से अधिक अंक लाकर यह सिद्ध कर दिया कि सही मार्गदर्शन और कड़ी मेहनत से कला संकाय (Arts) में भी ऊँचे मुकाम हासिल किए जा सकते हैं। विद्यार्थियों की इस ऐतिहासिक सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संस्थान की संचालिका श्वेता पाण्डेय (PG) और व्यवस्थापक पंडित जी सर (M.A) ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए ढेर सारी शुभकामनाएँ और आशीर्वाद दिया है। प्रबंधन का कहना है कि सोमेश्वर कॉलोनी स्थित यह संस्थान लगातार विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और यहाँ दी जाने वाली गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही छात्रों को बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार कर रही है। ग्लास फैक्ट्री के पास स्थित इस संस्थान में अब नए सत्र के लिए भी भारी उत्साह देखा जा रहा है।

श्री शत चण्डी महायज्ञ में रामलीला के मार्मिक दृश्यों ने भक्तों को किया भावविभोर

बीएनएम @अरेराज। प्रखंड के जितवारपुर में आयोजित नौ दिवसीय श्री शत चण्डी महायज्ञ के पांचवें दिन अयोध्या से पधारे संत ठकन मिश्रा द्वारा प्रस्तुत रामलीला ने श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। मंचन के दौरान भगवान श्री राम द्वारा शिव धनुष तोड़ने और माता जानकी के साथ विवाह के प्रसंग को अत्यंत जीवंत रूप में दिखाया गया। इस अवसर पर परशुराम-लक्ष्मण संवाद के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि अहंकार मनुष्य के नाश का कारण होता है और इसके वशीभूत होकर व्यक्ति ईश्वर को भी नहीं पहचान पाता है। प्रभु श्री राम ने अपने मधुर वचनों से परशुराम जी के क्रोध और अहंकार को शांत किया, जिसे देख भक्त भावुक हो उठे। इससे पूर्व अहिल्या उद्धार और राम-सिया मिलन के दृश्यों ने दर्शकों की आंखों में आंसू ला दिए। कार्यक्रम का शुभारंभ व्यास पूजन एवं पंचम दिवस के सत्र का उद्घाटन पूर्व जिला पार्षद शैलेंद्र कुमार मिश्रा उर्फ पप्पू मिश्रा ने किया। इस धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने में पूजा समिति के अध्यक्ष रामनिवास पांडे, उपाध्यक्ष संदीप पांडे, धनंजय चौबे, चंद्रभूषण पाठक और प्रमोद पांडे सहित वैदिक विद्वान अरविंद दुबे, राधेश्याम शास्त्री, नवनीत शास्त्री, अनमोल शुक्ला व अन्य आचार्य महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यज्ञ के संयोजक संजीव मिश्रा, रामकिशोर प्रसाद चौरसिया, रामू भगत और पिपरा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि ऐश्वर्य मिश्रा सक्रिय रूप से व्यवस्था संभाल रहे हैं। मौके पर प्रकाश मिश्रा, केपी चौरसिया, आनंद पांडे और जमुना साह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहकर भक्तिमय माहौल का आनंद ले रहे हैं।

रामगढ़वा में भगत सिंह को श्रद्धांजलि, भ्रष्टाचार के खिलाफ एकजुट होने का संकल्प

बीएनएम @ रामगढ़वा। शहीद भगत सिंह के शहादत दिवस के अवसर पर मंगलवार को रामगढ़वा स्थित स्वर्गीय गोपाल प्रसाद के मिल परिसर में एक भव्य श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने भगत सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके जीवन संघर्षों पर विस्तार से चर्चा की। सभा को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता धर्मकृत सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में राजनीति अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच चुकी है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि आम जनता के कार्यों और सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर सरकारी कार्यालयों में खुलेआम घूस की मांग की जाती है। वक्ताओं ने बढ़ते भ्रष्टाचार पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए क्षेत्र के युवाओं से एकजुट होकर इसके खिलाफ आवाज बुलंद करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भगत सिंह के सपनों का भारत तभी साकार होगा, जब समाज भ्रष्टाचार मुक्त बनेगा। इस अवसर पर ताराचंद बहार, शैलेश शर्मा, संतोष मिश्रा, शिवशंकर कुशवाहा और भरत साकी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता वैष्णवी दास और संतोष कुमार ने संयुक्त रूप से की, जबकि मंच संचालन कलीम अख्तर ने किया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने भगत सिंह के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

सीएसपी संचालक को मारी गोली, स्थिति गंभीर

बीएनएम @ भागलपुर: भागलपुर जिले के सजौर थाना क्षेत्र अंतर्गत तेतरिया मोड़ के समीप देर शाम अज्ञात अपराधियों ने 27 वर्षीय सीएसपी संचालक (ग्राहक सेवा केंद्र संचालक) उत्तम कुमार को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के समय उत्तम अपने केंद्र पर मौजूद था।घायल के पिता शिव कुमार सिंह के अनुसार, गोली चलने की आवाज सुनकर जब वे बाहर निकले, तो उन्होंने अपने पुत्र को लहूलुहान अवस्था में पाया। आनन-फानन में परिजनों ने उसे इलाज के लिए जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल पहुँचाया, जहाँ से प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर चिकित्सा हेतु पटना संदर्भित (रेफर) कर दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार, गोली उत्तम के सीने में धंसी हुई है, जिसके कारण उसकी स्थिति अत्यंत चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस मामले की छानबीन और अपराधियों की पहचान में जुटी है।

बिहार सरकार का राजस्व अधिकारियों को अल्टीमेटम

25 मार्च तक लौटें काम पर वरना जाएगी नौकरी

बीएनएम @ पटना: बिहार सरकार ने हड़ताल पर गए राजस्व अधिकारियों के खिलाफ अब आर-पार की लड़ाई का मूड बना लिया है। राज्य सरकार ने अधिकारियों के सामूहिक अवकाश को पूरी तरह अवैध घोषित करते हुए एक बेहद सख्त चेतावनी जारी की है। उपमुख्यमंत्री सह विभागीय मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने स्पष्ट कर दिया है कि जो अधिकारी 25 मार्च 2026 की शाम 5 बजे तक अपनी ड्यूटी पर वापस नहीं लौटेंगे, उनके खिलाफ सेवा समाप्ति और वेतन कटौती जैसी कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।9 मार्च से जारी इस हड़ताल के कारण आम जनता के राजस्व और भूमि सुधार से जुड़े कार्य ठप पड़े हैं, जिससे प्रशासनिक व्यवस्था चरमरा गई है। सरकार का मानना है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की आगामी 'समृद्धि यात्रा' और भूमि सुधार के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के बीच अधिकारियों की यह अनुपस्थिति गंभीर लापरवाही है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर सचिव ने निर्देश दिया है कि जनहित से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।हालांकि, सरकार ने बीच का रास्ता निकालते हुए एक सहानुभूतिपूर्ण संकेत भी दिया है। निर्देश के अनुसार, जो अधिकारी तय समयसीमा के भीतर काम पर लौट आएंगे, उनके अवकाश को नियमों के तहत समायोजित करने पर विचार किया जा सकता है। सरकार की अंतिम अपील यही है कि प्रशासनिक सुचारू रूप से चलाने और जनता की परेशानी दूर करने के लिए सभी अधिकारी तुरंत योगदान दें।

चैती छठ महापर्व पर सुरक्षा के इंतजाम, घाटों पर मुस्तैद दिखी पुलिस टीम

बीएनएम @अरेराज

अरेराज। लोक आस्था के महापर्व चैती छठ के पावन अवसर पर संध्या अर्घ्य के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह अभेद्य बनाने और शांतिपूर्ण वातावरण सुनिश्चित करने के लिए अरेराज पुलिस प्रशासन पूरी सक्रियता के साथ मैदान में उतरा हुआ है। महापर्व की पवित्रता और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सभी प्रमुख छठ घाटों पर पुलिस बल की सघन तैनाती की गई है। थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी स्वयं सुरक्षा कमान संभाले हुए हैं और उनके नेतृत्व में पुलिस की विभिन्न टीमें लगातार गश्ती कर रही हैं, ताकि व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। पर्व के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में एसआई अविनाश कुमार सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी छठ घाटों पर डटे हुए हैं और हर छोटी-बड़ी गतिविधि पर पैनी नजर रख रहे हैं। घाटों के आसपास और संवेदनशील रास्तों पर सुरक्षा के कड़े घेरे बनाए गए हैं ताकि भीड़ को नियंत्रित किया जा सके और यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से चलती रहे। पुलिस प्रशासन का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि श्रद्धालु पूरी श्रद्धा और सुरक्षित माहौल में भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर सकें। प्रशासन ने आम जनता से भी अपील की है कि वे शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें ताकि महापर्व का समापन अत्यंत सौहार्दपूर्ण और गरिमामय तरीके से संपन्न हो सके।

गुलरेज अहमद बने प्रदेश उपाध्यक्ष

बीएनएम @तुरकौलिया

तुरकौलिया। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) विभाग में संगठन को मजबूत करने की दिशा में गुलरेज अहमद को प्रदेश उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह मनोनयन ईबीसी विभाग के प्रदेश अध्यक्ष शशिभूषण पंडित द्वारा किया गया। प्रदेश अध्यक्ष ने भरोसा जताया कि गुलरेज अहमद पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ अत्यंत पिछड़े वर्ग के हितों की रक्षा और उनके उत्थान के लिए सक्रिय रूप से कार्य करेंगे। साथ ही संगठन को जमीनी स्तर पर और सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। यह मनोनयन पत्र कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार की उपस्थिति में सौंपा गया। नियुक्ति पर खुशी जताते हुए गुलरेज अहमद ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, नेता विपक्ष राहुल गांधी, पूर्व अध्यक्षा सोनिया गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, ओबीसी विभाग के चेयरमैन अनिल जयहिंद, प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम समेत अन्य नेताओं का धन्यवाद दिया। गुलरेज अहमद ने कहा कि वे पार्टी के प्रति पूरी निष्ठा के साथ कार्य करते हुए संगठन को मजबूत करने और पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे हर परिस्थिति में पार्टी के साथ मजबूती से खड़े रहेंगे।

एम.एस.एस.जी. कॉलेज अरेराज में शिक्षकेत्तर कर्मियों का कार्य बहिष्कार, दो दिवसीय धरना शुरू

बीएनएम @अरेराज

अरेराज। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय और उसके अधीनस्थ कॉलेजों के शिक्षकेत्तर व संविदा कर्मियों की लंबित मांगों को लेकर आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रक्षेत्रीय संघ के आह्वान पर मंगलवार से अरेराज स्थित एम.एस.एस.जी. कॉलेज में दो दिवसीय कार्य बहिष्कार के साथ धरना-प्रदर्शन शुरू हो गया है। कर्मचारियों का आरोप है कि संघ द्वारा कई बार ज्ञापन देने के बावजूद विश्वविद्यालय प्रशासन ने अब तक वार्ता की कोई पहल नहीं की है और न ही समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं। इसी उपेक्षापूर्ण रवैये के विरोध में कर्मियों ने 24 और 25 मार्च 2026 तक कॉलेज परिसर में रहकर कार्य ठप रखने का निर्णय लिया है। धरना दे रहे कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में सेवा का नियमितीकरण, लंबित पदोन्नति प्रक्रिया को शुरू करना तथा दैनिक वेतनभोगी कर्मियों के रुके हुए वेतन पर लगी रोक को तत्काल हटाना शामिल है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि विश्वविद्यालय प्रशासन जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लेता है, तो आंदोलन को और अधिक उग्र रूप दिया जाएगा। धरना कार्यक्रम में नवीन कुमार भार्गव, शिवानंद महतो, संजय मलिक, सुधीर कुमार, शिवम कुमार, मुन्ना आलम, राजा बाबू और शुभम कुमार समेत दर्जनों कर्मचारी मौजूद रहे।

विशेष अभियान के तहत अलग-अलग कांडों के 9 आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @अरेराज

अरेराज। संग्रामपुर इलाके में अपराध पर लगाम कसने और फरार चल रहे अपराधियों की धरपकड़ के लिए संग्रामपुर पुलिस इन दिनों पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रही है। थानाध्यक्ष अनूप कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने विशेष समकालीन अभियान चलाकर क्षेत्र के विभिन्न ठिकानों पर सघन छापेमारी की और अलग-अलग कांडों में संलिप्त कुल 9 अभियुक्तों को दबोच लिया। पकड़े गए सभी आरोपी लंबे समय से पुलिस की आंखों में धूल झोंककर फरार चल रहे थे, जिन्हें गुप्त सूचना और तकनीकी आधार पर घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष अनूप कुमार ने इस बड़ी सफलता की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस प्रशासन क्षेत्र में शांति और सुरक्षा का माहौल बनाए रखने के लिए संकल्पित है। गिरफ्तार किए गए सभी 9 आरोपियों के खिलाफ थाना स्तर पर आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से अपराधियों के मंसूबों पर पानी फिर गया है और पूरे इलाके में हड़कंप का माहौल है। थानाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि कानून के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा और आने वाले दिनों में भी अपराधियों के खिलाफ यह अभियान और तेज किया जाएगा।

रामगढ़वा में उद्घाटन से पहले ढही पंचायत सरकार भवन की दीवार, 3.25 करोड़ की योजना पर उठे सवाल

बीएनएम @ रामगढ़वा @विजय कुमार

रामगढ़वा। प्रखंड क्षेत्र के अहिरौलिया पंचायत में निर्माणाधीन पंचायत सरकार भवन में गंभीर अनियमितता का मामला सामने आया है। लगभग 3 करोड़ 25 लाख रुपये की लागत से बन रहे इस भवन की एक नवनिर्मित दीवार उद्घाटन से पहले ही ढह गई, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। रविवार को वार्ड संख्या 5 स्थित भवन की एक दीवार अचानक भरभरा कर गिर गई, जिसका मलबा सड़क पर जा गिरा। संयोग अच्छा रहा कि उस समय वहां से कोई राहगीर नहीं गुजर रहा था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए और निर्माण कार्य के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। ग्रामीणों का आरोप है कि संवेदक द्वारा मानकों की अनदेखी करते हुए घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। उनका कहना है कि ईंटों की सही जोड़ाई नहीं की गई, बल्कि उन्हें सिर्फ एक के ऊपर एक रखकर प्लास्टर कर दिया गया। साथ ही निर्माण में नदी की बालू के उपयोग की भी बात सामने आ रही है। ग्रामीणों ने बताया कि भवन की अन्य दीवारों में भी दरारें पड़ चुकी हैं, जिससे किसी भी समय और हिस्सा गिरने का खतरा बना हुआ है। इस कारण लोग भवन के आसपास से गुजरने में भी डर महसूस कर रहे हैं। इस संबंध में पंचायत के मुखिया से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। वहीं उपमुखिया सुगी देवी और ग्रामीण जागदेव यादव ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में भारी भ्रष्टाचार हुआ है और संवेदक की लापरवाही से सरकारी धन की बर्बादी हो रही है। मौके पर मौजूद राजा महतो, वीर बहादुर महतो, मुकेश यादव, राजा बाबू और कमल यादव समेत अन्य ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से पूरे भवन की तकनीकी जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

रामगढ़वा में पुलिस का बड़ा एक्शनः शराब कांड व वारंटियों सहित 8 आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @रामगढ़वा

रामगढ़वा। स्थानीय पुलिस ने विशेष समकालीन अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 8 लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह के नेतृत्व में एसआई सुमित कुमार, मनीष कुमार और पुलिस बल ने थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में छापेमारी कर इन अभियुक्तों को पकड़ा। पुलिस ने शराब पीने के आरोप में संजय महतो, अब्दरब देवान, लक्षणदेव पासवान, अरुण कुमार और शमीम आलम को गिरफ्तार किया। वहीं रामगढ़वा बाजार निवासी कृष्ण महतो को पूर्व के शराब कांड में वांछित होने के कारण दबोचा गया। इसके अलावा न्यायालय से जारी वारंट के आधार पर भेड़िहारी के भोला यादव और भेड़िहरवा के भरत सहनी को भी गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि सभी 8 अभियुक्तों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

फरार आरोपियों पर पुलिस का शिकंजा, हरसिद्धि में कुर्की-जब्ती की कार्रवाई

बीएनएम @हरसिद्धि

हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में पुलिस ने फरार अभियुक्तों के खिलाफ सख्त अभियान चलाते हुए पांच आरोपियों के घरों पर कुर्की-जब्ती की प्रक्रिया शुरू की। इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया और अन्य फरार आरोपियों में दहशत का माहौल है। पुलिस दबाव के बीच झाड़वा गांव निवासी वाजिद अली ने आत्मसमर्पण कर दिया। वहीं मगनुवा गायघाट निवासी देवेंद्र यादव के घर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की गई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर कानूनी प्रक्रिया के तहत संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई शुरू की। प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष ऋषभ कुमार ने बताया कि अभियान के दौरान तीन अन्य अभियुक्तों—गौरी शंकर शाह, रजवंती देवी (दोनों निवासी बिशनपुरवा) तथा गौरी शंकर राम (निवासी घोघराहा बैरिया)—के घरों पर नोटिस चस्पा किया गया। स्थानीय लोगों ने जानकारी दी कि इन तीनों की मृत्यु हो चुकी है, जिसके समर्थन में मृत्यु प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत किया गया। पुलिस ने बताया कि पूरे मामले में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया अपनाई जा रही है और सत्यापन के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। थानाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि फरार अभियुक्तों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। इस छापेमारी अभियान में अपर थानाध्यक्ष राजेश सिंह, एसआई अविनाश कुमार, एसआई शिखा कुमारी सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

रक्सौल में भारत-नेपाल संयुक्त फील्ड सर्वे टीम की पहली बैठक, सीमा कार्यों पर बनी सहमति

बीएनएम @रक्सौल

रक्सौल। मंगलवार को सीमा सुरक्षा बल मुख्यालय भवन, रक्सौल के कॉन्फ्रेंस हॉल में इंडो-नेपाल जॉइंट फील्ड सर्वे टीम (FST) की पहली बैठक संपन्न हुई। बैठक में भारतीय पक्ष से सुपौल, मधुबनी, सीतामढ़ी, पूर्वी चंपारण एवं पश्चिमी चंपारण के जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक शामिल हुए, जबकि नेपाल की ओर से सिराहा, धनुषा, महोत्तरी, सर्लाही, सप्तरी, रौतहट, बारा, पर्सा और चितवन जिलों के चीफ डिस्ट्रिक्ट ऑफिसर (सीडीओ) ने भाग लिया। बैठक में भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने किया, जबकि नेपाल की ओर से सिराहा जिले के सीडीओ सुरेंद्र पौडेल ने नेतृत्व किया। बैठक की शुरुआत में जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने सभी पदाधिकारियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद निर्धारित एजेंडे के बिंदुओं पर क्रमवार चर्चा करते हुए विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान बताया गया कि 7th बाउंड्री वर्किंग ग्रुप के मैंडेट और 12th सर्वे ऑफिशियल कमेटी की सिफारिशों के अनुरूप फील्ड सर्वे टीम कार्य करेगी। बैठक में सीमा स्तंभों की मरम्मत, नए सीमा स्तंभों का निर्माण, लापता स्तंभों का पुनर्स्थापन, क्षतिग्रस्त स्तंभों का पुनर्निर्माण, यूएवी के माध्यम से बड़े पैमाने पर मैपिंग तथा भारत-नेपाल सीमा संदर्भ ढांचा तैयार करने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सहमति बनी।

देश में उलटी बयार

पूंजी अभाव का सामना कर रहे इस देश में उलटी बयार चल रही है। एक ओर राष्ट्रीय सुरक्षा की चिंता छोड़ चीनी पूंजी बुलाई जा रही है, तो दूसरी तरफ भारतीय पूंजी 'अमेरिका फर्स्टÓ का एजेंडा साधने जा रही है!

भारत ने सामरिक चिंताओं को ताक पर रखते हुए चीनी पूंजी के लिए अपने दरवाजे खोल दिए हैं। तर्क पहले से दिया जा रहा था कि जब विदेशी निवेशक भारत से मुंह मोड़ रहे हैं, भारत के लिए आ सकने वाली चीनी पूंजी का रास्ता रोके रखना ठीक नहीं है। गौरतलब है कि इस वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 3.7 बिलियन डॉलर का शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बाहर गया। इसके अलावा दलील यह भी दी गई कि भारतीय कारखाना क्षेत्र चीनी उपकरणों एवं वस्तुओं पर निर्भर है, इसलिए उनका आयात करने के बजाय सही नीति चीनी कंपनियों के निवेश के जरिए उन्हें लाना होगा। संभवतः इन्हीं तर्कों को मानते हुए केंद्र ने प्रेस नोट-3 को संशोधित किया है, जिसके जरिए अप्रैल 2020 में चीनी पूंजी के निवेश पर रोक लगाई गई थी। ये वो दौर था, जब लद्दाख क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी फौज भारतीय इलाकों में जबरन घुसने में जुटी थी। इसलिए प्रेस नोट-3 को महज आर्थिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित कदम भी माना गया था।

लेकिन उस पर बिना कोई स्पष्टीकरण दिए उस निर्णय को पलट दिया गया है। बहरहाल, इस निर्णय के साथ ही एक दूसरी खबर आई है, जिससे पूंजी अभाव का सामना कर रहे इस देश में चल रही उलटी बयार का अहसास होता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एलान किया है कि रिलायंस ग्रुप अमेरिका के ब्राउन्सविले में एक बड़ी रिफाइनरी लगाएगा, जिसके लिए 300 बिलियन डॉलर का सौदा हुआ है। ट्रंप ने इसे 'अमेरिकी श्रमिकों, ऊर्जा, एवं दक्षिण टेक्सस के लोगों की बड़ी जीतÓ बताया है; और कहा है कि इससे 'अमेरिकी बाजार में गति आएगी, राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत होगी, ऊर्जा उत्पादन बढ़ेगा, जिससे अरबों डॉलर का आर्थिक लाभÓ अमेरिका को होगा। मतलब यह कि भारत के डेटा और बाजार के बाद अब भारतीय पूंजी 'अमेरिका फर्स्टÓ एजेंडे का हित साधेगी। मुद्दा यह है कि बदले में भारत को क्या मिलेगा? उल्लेखनीय है कि हाल ही में अमेरिकी मंत्री क्रिस्टोफर लैंडो भारत आकर बता चुके हैं कि भारत के विकास में मददगार बनने का अमेरिका का कोई इरादा नहीं है!

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था

ललित गर्ग

तेज होती हथियारों की होड़ और तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर खड़ी है। दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने वाले संघर्ष नहीं रह गए हैं, बल्कि उनका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा व्यवस्था, पर्यावरण, सृष्टि-संतुलन, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता तक पहुंच रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, ईरान और इजरायल के बीच हमलों का नया दौर, अमेरिका की रणनीतिक भूमिका, रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन-ताइवान तनाव जैसे अनेक घटनाक्रम मिलकर यह संकेत दे रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर हथियारों की दौड़ और शक्ति संतुलन की राजनीति की ओर लौट रही है। यह स्थिति केवल राजनीतिक या सामरिक नहीं, बल्कि मानवीय संकट का संकेत भी है, क्योंकि जब दुनिया हथियारों पर ज्यादा खर्च करती है तो विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्र पीछे छूट जाते हैं।

आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है। सुरक्षा की यह मानसिकता वास्तव में असुरक्षा का ही परिणाम है। एक देश हथियार बढ़ाता है तो दूसरा देश भी हथियार बढ़ाता है और इस तरह एक अविश्वास का वातावरण बन जाता है। यह अविश्वास ही युद्ध की जमीन तैयार करता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में दुनिया का सैन्य खर्च कई गुना बढ़ जाएगा और यह पैसा मानव विकास के बजाय विनाश की तैयारी में खर्च होगा। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए शुभ संकेत नहीं है। पश्चिम एशिया का संकट इस समय दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता दिखाई दे रहा है। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते हमले, समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर तनाव और बड़े देशों की प्रत्यक्ष या परोक्ष भागीदारी ने इस क्षेत्र को युद्ध के कगार पर खड़ा कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समुद्री मार्ग खोलने की चेतावनी को खारिज करते हुए ईरान ने इजरायल पर हमलों का नया दौर शुरू किया है, जिससे यह संकट और अधिक गंभीर हो गया है। यदि यह संघर्ष लंबा चलता है तो इसका प्रभाव केवल इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा, क्योंकि यह क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है।

दुनिया की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा तेल और गैस पर निर्भर है और पश्चिम एशिया तेल उत्पादन का सबसे बड़ा क्षेत्र है। यदि वहां युद्ध बढ़ता है या समुद्री मार्ग बाधित होते हैं तो तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। तेल महंगा होगा तो पेट्रोल-डीजल महंगा होगा, परिवहन महंगा होगा, उत्पादन लागत बढ़ेगी और अंततः हर वस्तु महंगी हो जाएगी। यानी एक वैश्विक महंगाई का दौर शुरू हो सकता है। महंगाई बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की ओर भी जा सकती है। पहले से ही कई देश आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और यदि ऊर्जा संकट बढ़ता है तो स्थिति और गंभीर हो जाएगी। भारत जैसे देश भी इस स्थिति से अछूते नहीं रह सकते, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसी खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति, पेट्रोल-डीजल, गैस और उर्वरकों की उपलब्धता बनाए रखने को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंत्रियों के साथ आपात बैठक कर ऊर्जा आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने और संभावित संकट से निपटने की रणनीति पर चर्चा की। केवल केंद्र सरकार की तैयारी पर्याप्त नहीं होगी, राज्य सरकारों को भी इस स्थिति को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण, आपूर्ति प्रबंधन और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाने होंगे।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ी चिंता यह है कि दुनिया युद्ध को रोकने के बजाय उसकी तैयारी ज्यादा कर रही है। युद्ध शुरू करना आसान होता है, लेकिन उसे रोकना बहुत कठिन होता है। इतिहास गवाह है कि कई युद्ध ऐसे हुए जो कुछ दिनों के लिए शुरू हुए लेकिन वर्षों तक चलते रहे और उन्होंने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज भी यदि पश्चिम एशिया का युद्ध फैलता है तो यह केवल दो या तीन देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बड़े देशों की भागीदारी से यह वैश्विक संघर्ष का रूप ले सकता है। इसलिए यह जरूरी हो गया है कि विश्व के बड़े देश आगे बढ़कर युद्ध विराम की पहल करें और वार्ता का रास्ता निकालें। अमेरिका की भूमिका इस पूरे संकट में बहुत महत्वपूर्ण है। यदि अमेरिका चाहे तो वह इजरायल पर दबाव डाल सकता है, ईरान के साथ वार्ता शुरू करा सकता है और संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से युद्ध विराम की दिशा में कदम उठा सकता है। कूटनीति का रास्ता हमेशा युद्ध से बेहतर होता है, क्योंकि युद्ध में अंततः नुकसान सभी का होता है। युद्ध में सैनिक मरते हैं, नागरिक मरते हैं, शहर बर्बाद होते हैं, अर्थव्यवस्था टूटती है और आने वाली पीढ़ियां तक उसके दुष्परिणाम झेलती हैं। इसलिए आज दुनिया को हथियारों की दौड़ नहीं, शांति की दौड़ की जरूरत है।

हथियारों की होड़ का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि इससे विकास रुक जाता है। दुनिया के कई देश ऐसे हैं जहां आज भी लोग गरीबी, भूख, बीमारी और अशिक्षा से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकारें शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाने के बजाय हथियारों पर खर्च बढ़ा रही हैं। यह मानवता के साथ एक तरह का अन्याय है। यदि दुनिया का सैन्य बजट का एक छोटा हिस्सा भी शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च कर दिया जाए तो दुनिया से गरीबी और भूख को काफी हद तक खत्म किया जा सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से दुनिया की राजनीति अभी भी शक्ति संतुलन और सैन्य प्रभुत्व के इर्द-गिर्द घूम रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व नेतृत्व यह समझे कि असली शक्ति हथियारों में नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, विज्ञान, शिक्षा और मानव विकास में होती है। जो देश अपने नागरिकों को बेहतर जीवन देता है, वही वास्तव में शक्तिशाली देश होता है। युद्ध और हथियार केवल विनाश लाते हैं, विकास नहीं। इसलिए दुनिया को यह तय करना होगा कि उसे हथियारों की दुनिया बनानी है या मानवता की दुनिया।

यदि वर्तमान परिस्थितियों में युद्ध नहीं रुके और हथियारों की होड़ इसी तरह बढ़ती रही तो आने वाले वर्षों में दुनिया को महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक मंदी, ऊर्जा संकट और सामाजिक अस्थिरता जैसे अनेक संकटों का सामना करना पड़ सकता है। यह स्थिति पूरी मानवता के लिए खतरनाक होगी। इसलिए अब समय आ गया है कि विश्व के सभी देश अपने संकीर्ण राष्ट्रीय हितों से ऊपर उठकर वैश्विक हितों के बारे में सोचें और युद्ध के बजाय शांति, सहयोग और सहअस्तित्व का मार्ग अपनाएं। मानव सभ्यता का भविष्य हथियारों से नहीं, बल्कि शांति, संवाद और सहयोग से सुरक्षित हो सकता है। यही समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही मानवता की सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी।

युद्ध का अंधेरा मानवता को केवल विनाश, महंगाई, भय और अस्थिरता देता है, जबकि दुनिया को आज शांति, संवाद और स्थिरता का उजाला चाहिए, और इस दिशा में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। आज वैश्विक परिदृश्य में भारत केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं बल्कि एक नैतिक शक्ति के रूप में देखा जा रहा है, और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का व्यक्तित्व एक ऐसे विश्व नेता के रूप में उभरा है जो युद्ध नहीं, संवाद-संघर्ष नहीं, सहयोग और हिंसा नहीं, सहअस्तित्व की बात करता है। भारत बुद्ध, महावीर और गांधी की अहिंसा की परंपरा का देश है, इसलिए भारत यदि सक्रिय कूटनीतिक पहल करे, युद्धरत देशों के बीच संवाद का सेतु बने, संयुक्तराष्ट्र के मंच पर युद्ध विराम की ठोस पहल करे, तो वह विश्व राजनीति को नई दिशा दे सकता है। मोदी यदि शांति, अहिंसा, वैश्विक संवाद और आर्थिक सहयोग के चार सूत्रों पर विश्व को साथ लाने की पहल करें तो भारत वास्तव में विश्व शांति का मार्गदर्शक बन सकता है और युद्ध की दिशा में बढ़ती दुनिया को शांति और स्थिरता की दिशा में मोड़ने में ऐतिहासिक भूमिका निभा सकता है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

हाजियों के लिए बड़ी खुशखबरीः नवी मुंबई में बनेगा आधुनिक हज हाउस, तैयारी और सहूलियतें होंगी और बेहतर

हर्ष रंजन

भारत में हज यात्रा पर जाने वाले लाखों मुसलमानों के लिए एक बड़ी और महत्वपूर्ण पहल सामने आई है। हज कमिटी ऑफ इंडिया ने सीपीडब्ल्यूडी के साथ एक समझौता ज्ञापन, एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत खारघर में एक नया आधुनिक हज हाउस बनाया जाएगा। यह हज हाउस हज यात्रियों के लिए ट्रांजिट-कम-ट्रेनिंग और फैसिलिटेशन सेंटर के रूप में काम करेगा।

यह परियोजना अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की मंजूरी से शुरू की जा रही है। मंत्रालय ने 21 जनवरी 2026 को इस परियोजना को सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान की थी। करीब 225 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह केंद्र हज यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा और इसके निर्माण का कार्य सीपीडब्ल्यूडी द्वारा तय दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जाएगा। इसकी फंडिग हज कमिटी ऑफ इंडिया ही कर रही है।

भारत से हर साल बड़ी संख्या में मुसलमान हज के लिए मक्का की पवित्र यात्रा पर जाते हैं। इस यात्रा से पहले यात्रियों को प्रशिक्षण, दस्तावेज़ी प्रक्रियाओं, आवास और यात्रा से जुड़ी कई तैयारियों से गुजरना पड़ता है। नया हज हाउस इन्हीं सभी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया जा रहा है, ताकि यात्रियों को एक ही स्थान पर बेहतर सुविधाएँ मिल सकें। प्रस्तावित हज हाउस में हज प्रशिक्षण कार्यक्रम, यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था, प्रशासनिक सहायता और यात्रा से संबंधित मार्गदर्शन जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे हज यात्रा की तैयारियाँ अधिक व्यवस्थित और सुगम हो सकेंगी। साथ ही यह केंद्र देशभर से आने वाले हज यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण सहायता और समन्वय केंद्र के रूप में भी कार्य करेगा।

इस परियोजना के निर्माण में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए हज कमेटी ऑफ इंडिया ने सीपीडब्ल्यूडी को जिम्मेदारी सौंपी है। सीपीडब्ल्यूडी देश की प्रमुख सरकारी निर्माण एजेंसियों में से एक है और बड़े बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के निर्माण का व्यापक अनुभव रखती है। इसलिए उम्मीद है कि यह परियोजना तय समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरी होगी।

पृष्ठभूमिः पिछले वर्ष नवंबर में अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के सचिव, डॉ. चंद्र शेखर कुमार ने प्रस्तावित स्थल का दौरा भी किया था। इस दौरे में हज कमिटी और सीपीडब्लूडी के अधिकारी भी उनके साथ मौजूद थे।

सचिव ने, जो खुद आईआईटी मुंबई के छात्र रहे हैं, प्रस्तावित भवन की डिजाइन और लेआउट योजना की समीक्षा की थी और अधिकारियों के साथ परियोजना के तकनीकी पहलुओं और निर्माण की समयसीमा पर विस्तार से चर्चा की थी। साथ ही उन्होंने यह भी देखा कि यात्रियों की सुविधा के लिए कनेक्टिविटी, लॉजिस्टिक्स और अन्य आवश्यक सुविधाएँ किस प्रकार बेहतर ढंग से विकसित की जा सकती हैं।

नवी मुंबई के खारघर क्षेत्र में बनने वाला यह नया हज हाउस भविष्य में हज यात्रियों के लिए एक आधुनिक, सुव्यवस्थित और सुविधाजनक केंद्र के रूप में उभरेगा। इससे न केवल हज यात्रा की तैयारियाँ आसान होंगी, बल्कि देशभर से आने वाले मुसलमानों को एक बेहतर और सम्मानजनक अनुभव भी मिलेगा। सरकार की यह पहल इस बात का संकेत है कि हज यात्रियों के लिए बुनियादी ढांचे और सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि भारत से जाने वाले हर हाजी को अपनी पवित्र यात्रा के लिए बेहतर सुविधा और मार्गदर्शन मिल सके।

मेष राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है। आज ऑफिस के किसी कार्य में सीनियर्स की मदद से आपको थोड़ी राहत मिलेगी। आज घर में बच्चों के साथ आपका अच्छा टाइम बीतेगा। माता पिता बच्चों को अच्छी सलाह भी दे सकते है। छात्रों को आज ऑनलाइन कुछ नया सीखने को मिलेगा।

वृष राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। इस राशि की महिलाओं के लिए आज का दिन बहुत ही खास है। अपना समय शॉपिंग में बिता सकती हैं। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को आज किसी मल्टी नेशनल कंपनी से कॉल आ सकती है। दांपत्य जीवन में आज मधुरता बनी रहेगी। कॉम्पटीशन की तैयारी कर रहे छात्रों को तैयारी जारी रखनी चाहिए।

मिथुन राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। व्यापार को बढ़ाने के लिए आप नया प्लान बनायेंगे। किसी बुजुर्ग महिला की सेवा का अवसर मिलेगा इसे आप सौभाग्य के रूप में समझे। आज आपके ज्यादातर सोचे हुए कामों पूरे हो जाएंगे। छात्र कोशिश करते रहे, सफलता के योग बने हुए हैं। अपनी स्थिति और योग्यता के हिसाब से ही काम करें।

कर्क राशिः आज आपका दिन ठीक रहने वाला है। आप परिवारवालों के साथ समय बिताएंगे, घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। आपकी कड़ी मेहनत से लोग प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे। आज आप ऑफिस के किसी काम में उलझे रहेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स कॉलेज में कुछ नया सीखेंगे और पढ़ाई की तरफ झुकाव बढ़ेगा। रोज की अपेक्षा आज व्यापार में अच्छा मुनाफा होगा। आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत रहेगा।

सिंह राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है समाज हित में किये गये कामों की तारीफ हो सकती है। आज आपको उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजीटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। आज रोजगार में नई उपलब्धि मिलने के योग हैं। बिजनेस में आपको फायदा हो सकता है। घरेलू जरूरत की चीजों की खरीददारी करेंगे। किसी खास व्यक्ति का सहयोग आपको मिलेगा।

कन्या राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आपको मेहनत का फल जरूर मिलेगा। कई दिनों से चल रहीं कड़ी मेहनत आज आपको सफल बना सकती है। आज आपको बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है जिन्हें आप बखूबी निभायेंगे। आज किसी काम को पूरा करने के लिए आस-पास के कई लोग आपको सलाह देंगे। जीवनसाथी पर भरोसा बनायें रखें, रिश्ते मजबूत होंगे। सेहत के लिहाज से आप ठीक रहेंगे।

तुला राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज बुजुर्ग या वरिष्ठ व्यक्ति आपको सही सलाह दे सकता है। आज आपको पुरानी बातें याद आ सकती हैं। आज व्यापारिक मामलों में आपकी व्यस्तता बढ़ेगी। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अच्छी होगी। अपनी गलतियों से सीखकर आगे बढ़ने की प्रेरणा आपको मिलेगी। किसी दूसरों की नक़ल न करें अपने आप पर विश्वास करें।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। इस राशि की महिलाएं जो घर पर ही बिजनेस करने की सोच रही है उनके लिए आज का दिन अच्छा है। किसी भी काम को करने में जल्दबाजी न करें ,अन्यथा वह काम दोबारा करना पड़ सकता है। अपने बिजी शेड्यूल से थोड़ा समय ईश्वर की आराधना के लिए निकालें मन शांत रहेगा। आज आप अपने व्यवहार को निखारने की कोशिश करेंगे।

धनु राशिः आज आप लोगों को अपनी योजनाओं से सहमत कर लेंगे। अगर आप नयी जमीन लेने का प्लान बना रहे हैं तो घर के बड़ों की राय जरूर ले। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन संतोषजनक रहेगा कुछ नया सीखने को मिलेगा। लवमेट अपने मन की बात शेयर करेंगे, इससे रिश्तों में मधुरता बनेगी। शाम को परिवार के साथ किसी जरूरी मामले पर बात होगी जहाँ आप खुलकर अपनी राय रखेंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपको अपनी सोच सकारात्मक बनाये रखने की आवश्यकता है। इस राशि के स्टूडेंट आज अपनी पढ़ाई को लेकर उत्साहित होंगे और ज्यादा समय पढ़ाई में बीतेगा, यह देखकर आपके घरवालों को ख़ुशी होगी। इस राशि के टेक्सटाइल व्यापारी वर्ग को आज अचानक बड़ा फायदा हो सकता है।

कुंभ राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। ऑफिस में कार्यशीलता के लिए आपको सम्मानित किया जा सकता है। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं। साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे होने से प्रसन्नता होगी। दोस्ती में चल रही अनबन को ख़त्म करने के लिए आप हाथ बढ़ा सकते हैं।

मीन राशिः आज आप अपने खर्चे पर कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे। आज आप धार्मिक कार्यों में रुचि लेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन सफलता दिलाने वाला है। माता पिता से आशीर्वाद लेने से आपकी सभी परेशानियों का हल मिलेगा। आज आपकी सेहत अच्छी रहेगी। साथ ही किसी धार्मिक आयोजन का हिस्सा भी बनेंगे।

ऊर्जा ठिकानों पर हमलेः दुनिया को मंदी की ओर धकेलता युद्ध

कांतिलाल मांडोत

ईरान के साऊथ पार्स गैस फील्ड पर इजरायली हमले के बाद मध्य पूर्व में तनाव चरम पर पहुंच गया है। साउथ पार्स गैस फील्ड पर यह हमला केवल एक सैन्य घटना नहीं है, बल्कि वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा पर सीधा प्रहार है। आपूर्ति में रुकावट के कारण कई देशों को लंबे समय तक ऊर्जा की कमी का सामना करना पड़ सकता है। द इकोनॉमिक टाइम्स में प्रकाशित समाचार के अनुसार अंतराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने इतिहास का सबसे खराब वैश्विक ऊर्जा व्यवधान बताया है, जो 1973 के अरब तेल प्रतिबंध को भी पीछे छोड़ दिया है। मुख्य निवेश अधिकारी डैन पिकरिंग ने कहा कि आप ऊर्जा संरक्षण के जरिए इस समस्या से बच नहीं सकते। इसका नतीजा यह होगा कि कीमतें इतनी बढ़ जाएंगी कि लोग उपभोग करना बंद कर देंगें। यह पहली बार है जब खाड़ी क्षेत्र में ईरान के ऊर्जा ढांचे को सीधे निशाना बनाया गया है। 17 मार्च तक, अमेरिका और इज़राइल ने खाड़ी में ईरान के ऊर्जा उत्पादन केंद्रों को निशाना बनाने से परहेज किया था। यहां तक कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के 90 प्रतिशत तेल निर्यात के केंद्र खारग द्वीप पर हमला किया, तब भी केवल सैन्य ठिकानों को ही निशाना बनाया गया था। इजराइल द्वारा कतर के साथ साझा किए जाने वाले साऊथ पार्स गैस क्षेत्र पर हमले के बाद यह स्थिति बदल गई है। पार्स गैस फील्ड दुनिया के सबसे बड़े प्राकृतिक गैस भंडार का हिस्सा है, जिसे ईरान कतर के साथ साझा करता है। इस घटना को अमेरिका और इजराइल के साथ चल रहे युद्ध को बड़े ऊर्जा संकट के रूप में देखा जा रहा है। जवाब में ईरान ने सऊदी अरब, यूएई और कतर के ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाया। ईरान ने सऊदी अरब में तेल कंपनी अरामको की रिफाइनरी के साथ-साथ कतर और यूएई में गैस सुविधाओं पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया। यह युद्ध का एक खतरनाक मोड़ साबित हो रहा है। साउथ पार्स गैस क्षेत्र, भारत सहित वैश्विक एलएनजी आपूर्ति की रीढ़ है। इजरायली हमले के बाद तेल और गैस की कीमतों में आई तत्काल वृद्धि से इसके महत्व का अंदाजा लगाया जा सकता है। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही पर रोक लगाने के कारण दुनिया पहले से ही कच्चे तेल की आपूर्ति में व्यवधान से जूझ रही है।

ऐसे में उत्पादन सुविधाओं को होने वाली किसी भी क्षति का प्रभाव वर्षों तक बना रह सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य में चल रही बाधाओं ने यह दिखा दिया है कि एक छोटा समुद्री मार्ग भी वैश्विक सप्लाई चेन को हिला सकता है। कतर के रास लाफान औद्योगिक शहर, जो दुनिया का सबसे बड़ा एलएनजी निर्यात केंद्र है, ईरानी मिसाइल हमलों से तबाह हो गया है। रास लाफान पर हमलों के कारण कतर की कुल एलएनजी निर्यात क्षमता में लगभग 17 प्रतिशत की कमी आई है। कतर एनर्जी के अधिकारियों के अनुसार, इस नुकसान की मरम्मत में 3 से 5 साल का समय लग सकता है, जिससे यह एक दीर्घकालिक संकट बन गया है। इस हमले से कतर को प्रति वर्ष लगभग 20 अरब डॉलर के राजस्व का नुकसान होने का अनुमान है। यह हमला केवल कतर तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा पर भी इसका बड़ा असर पड़ा है। भारत अपनी प्राकृतिक गैस जरूरतों का लगभग 40 से 50 प्रतिशत कतर से आयात करता है, इसलिए यह स्थिति भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती है। मध्य पूर्व से चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया को तेल का लगभग 75 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस का 59 प्रतिशत निर्यात होता है। इन सभी अर्थव्यवस्थाओं को तेल-गैस की कमी का सामना करना पड़ रहा है। होटल, रेस्टोरेंट, पर्यटन और उत्पादन जैसे कई क्षेत्र प्रभावित हो रहे हैं। नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने कहा है कि खाध सेवा उद्योग का 75 फिसदी हिस्सा एलपीजी पर निर्भर है और लंबे समय तक इसकी कमी रहने से अर्थव्यवस्था को प्रतिदिन 12 से 13 हजार करोड़ रुपए नुकसान हो सकता है। युद्ध के कारण ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें 39 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 110 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गई हैं। ईंधन और प्राकृतिक गैस की बढ़ती कीमतों से दुनिया भर में माल ढुलाई और उत्पादन लागत बढ़ गई है, जिससे महंगाई बढ़ रही है। भारत में भी प्रीमियम पेट्रोल 2 रुपए और इंडस्ट्रियल डिजल 22 रुपए प्रति लीटर महंगी हो गई है। दुनिया भर में यूरिया की कुल आपूर्ति में कतर का लगभग 10 प्रतिशत योगदान है। लेकिन ईरानी हमले की वजह से कतर के कई प्लांट बंद हैं, जिससे भारत में भी खाद की किल्लत बढ़ सकती है। यदि यह संघर्ष लंबा चलता है, तो यह वैश्विक अर्थव्यवस्था को मंदी की ओर धकेल सकता है। ऊर्जा और खाद्य कीमतों में वृद्धि ने वैश्विक मुद्रास्फीति को बढ़ाया है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक ने वैश्विक वृद्धि दर के अनुमान घटाए हैं। विकासशील देशों में पूंजी प्रवाह कम हुआ है। कई देशों ने अपने रक्षा बजट बढ़ा दिए हैं, जिससे सामाजिक और विकासात्मक खर्चों पर दबाव बढ़ा है।

भारत सहित वैश्विक शेयर बाजारों में भारी गिरावट देखी गई है। भारतीय शेयर बाजार में पिछले तीन सप्ताह में 27 से 34 लाख करोड़ रुपये तक की संपत्ति का नुकसान हुआ है। विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से पूंजी निकाल रहे हैं। मूडीज के अनुसार, ऊर्जा की कीमतें बढ़ती रहीं तो भारतीय रुपये पर दबाव और बढ़ेगा। खाडी देशों में 90 लाख भारतीय काम कर रहे हैं। युद्ध के कारण 50 हजार भारतीय वापस देश लौट चुके हैं। अगर युद्ध लंबा खिंच गया तो काम प्रभावित होगा और शेष भारतीय भी वापस लौटने को मजबूर होंगे। खाडी देशों में भारतीय काम करके अच्छा खासा रेमिटेंस भारत में भेजते हैं। जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। गोल्डमैन सैक्स का अनुमान है कि यदि संघर्ष जारी रहता है, तो कतर और कुवैत की जीडीपी में 14 प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है। यह विदित है कि युद्ध के कारण अनिश्चितता बढ़ती है, जिससे निजी निवेश रुक जाता है और वित्तीय प्रणाली कमजोर होती है। युद्ध राष्ट्रीय ऋण में वृद्धि, उच्च मुद्रास्फीति, बुनियादी ढांचे के विनाश और दीर्घकालिक आर्थिक विकास में गिरावट का कारण बनता है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद हुए 100 से अधिक युद्धों के अध्ययन में यह पाया गया कि इन संघर्षों के कारण संबंधित देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर गंभीर और दीर्घकालिक नकारात्मक प्रभाव पड़े।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

अर्जेंटीना की फीफा विश्व कप तैयारियों को झटका, दो डिफेंडर चोटिल, स्क्वाड में बदलाव

एजेंसी, नई दिल्ली

फीफा विश्व कप 2026 की तैयारियों के बीच अर्जेंटीना को बड़ा झटका लगा है। टीम के दो अहम डिफेंडर लियोनार्डो बालेरदी और गोंजालो मोंटिएल चोट के कारण मार्च-अप्रैल में होने वाले अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। लियोनार्डो बालेरदी को पिंडली (काफ) में चोट लगी है, जबकि गोंजालो मोंटिएल मांसपेशियों की समस्या से जूझ रहे हैं। मोंटिएल हाल ही में रिवर प्लेट के लिए खेलते हुए पेनल्टी पर गोल करने के बाद मैच के दौरान चोटिल हो गए थे और उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाना पड़ा। जांच में पता चला कि उनके बाएं पैर की मांसपेशी (बाइसेप्स फेमोरिस) में ग्रेड-1 की चोट है। मोंटिएल 2022 कतर विश्व कप जीतने वाली अर्जेंटीना टीम के महत्वपूर्ण सदस्य रहे हैं, ऐसे में उनकी गैरमौजूदगी टीम के लिए बड़ी चिंता का विषय है। हालांकि, मुख्य कोच लियोनेल स्कॉलोनी ने अभी तक उनके स्थान पर किसी खिलाड़ी की घोषणा नहीं की है। वहीं बालेरदी की जगह टीम में लुकास मार्टिनेज क्वार्ता को शामिल किया गया है। वह 2024 कोपा अमेरिका जीतने वाली टीम का हिस्सा रह चुके हैं और इस मौके को विश्व कप 2026 टीम में जगह बनाने के अंतिम प्रयास के रूप में देखेंगे। अर्जेंटीना को इस विंडो में स्पेन और कतर के खिलाफ मुकाबले खेलने थे, लेकिन पश्चिम एशिया में तनाव के चलते कतर फुटबॉल फेस्टिवल को स्थगित कर दिया गया। अब टीम 27 मार्च को मॉरिटानिया और पांच दिन बाद जाम्बिया के खिलाफ मुकाबले खेलेगी। दोनों मैच ब्यूनस आयर्स स्थित ला बॉम्बनेरा स्टेडियम में होंगे।

अर्जेंटीना टीम (अपडेटेड):

गोलकीपरः एमिलियानो मार्टिनेज, जेरोनिमो रुल्ली, जुआन मुसो।

डिफेंडरः नहुएल मोलिना, क्रिस्टियन रोमेरो, लुकास मार्टिनेज क्वार्ता, मार्कोस सेनेसी, निकोलस ओटामेंडी, निकोलस टैग्लियाफिको, गैब्रियल रोजास, मार्कोस अकुना।

मिडफील्डरः लिआंड्रो परेडेस, मैक्सिमो पेरोने, एलेक्सिस मैक एलिस्टर, एंजो फर्नांडेज, वैलेंटिन बार्को, रोड्रिगो डी पॉल, एक्जेकिएल पालासियोस।

फॉरवर्डः लियोनेल मेसी, निकोलस पाज़, जियानलुका प्रेस्टियानी, निकोलस गोंजालेज, जुलियानो सिमेओने, थियागो अल्माडा, जोसे लोपेज, जूलियन अल्वारेज।

आईपीएल 2026: केकेआर ने आकाशदीप की जगह सौरभ दुबे और हैदराबाद ने एडवर्ड्स की जगह डेविड पेन को किया शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 (आईपीएल 2026) से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने अपने-अपने दल में अहम बदलाव करते हुए रिप्लेसमेंट खिलाड़ियों की घोषणा कर दी है। कोलकाता ने चोटिल आकाश दीप की जगह सौरभ दुबे को शामिल किया है, जबकि हैदराबाद ने जैक एडवर्ड्स के स्थान पर डेविड पेन को टीम में जोड़ा है। भारतीय तेज गेंदबाज आकाशदीप कमर की चोट (लम्बर स्ट्रेस इंजरी) के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। वह अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की चिकित्सा टीम की देखरेख में बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में उपचार कराएंगे। आकाशदीप भारत के लिए 10 टेस्ट मैच खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 28 विकेट हासिल किए हैं। उनकी जगह कोलकाता ने 28 वर्षीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सौरभ दुबे को मौका दिया है। सौरभ दुबे को 30 लाख रुपये में टीम से जोड़ा गया है, जो उनके करियर के लिए बड़ा अवसर माना जा रहा है। वहीं हैदराबाद ने इंग्लैंड के खिलाड़ी जैक एडवर्ड्स के चोटिल होने के बाद डेविड पेन को 1.5 करोड़ रुपये में टीम में शामिल किया है। डेविड पेन ने अब तक एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक मैच खेला है, जबकि टी20 प्रारूप में 233 मैचों में 304 विकेट लेकर अपनी उपयोगिता साबित की है। आईपीएल 2026 से पहले किए गए ये बदलाव टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं, जहां नए खिलाड़ियों के पास खुद को साबित करने का सुनहरा मौका होगा।

खेलो इंडिया जनजातीय खेल 2026 का शुभारंभ कल, युवा खिलाड़ियों के लिए करियर बनाने का सुनहरा अवसर

एजेंसी, रायपुर

छत्तीसगढ़ में पहली बार आयोजित हो रहे खेलो इंडिया जनजातीय खेल 2026 का शुभारंभ बुधवार से होने जा रहा है। इस ऐतिहासिक आयोजन को लेकर देश के दिग्गज खिलाड़ियों ने इसे जनजातीय युवाओं के लिए अपने खेल कौशल को निखारने और करियर बनाने का बेहतरीन मंच बताया है। हॉकी ओलंपियन दिलीप तिर्की, सलीमा टेटे और धावक अनिमेष कुजूर ने इस पहल की सराहना की है। इस प्रतियोगिता में देश के 30 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 3800 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। खेलों का आयोजन रायपुर, जगदलपुर और सरगुजा में किया जाएगा। कुल 9 खेलों को शामिल किया गया है, जिनमें 7 पदक स्पर्धाएं — तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी, भारोत्तोलन और कुश्ती हैं, जबकि मल्लखंभ और कबड्डी को प्रदर्शन खेल के रूप में रखा गया है। इस आयोजन में कुल 106 स्वर्ण पदक दांव पर होंगे। एथलेटिक्स में सर्वाधिक 34 स्वर्ण पदक, तैराकी में 24, कुश्ती में 18, भारोत्तोलन में 16 और तीरंदाजी में 10 स्वर्ण पदक शामिल हैं। हॉकी और फुटबॉल मुकाबले रायपुर में, एथलेटिक्स स्पर्धाएं जगदलपुर में और कुश्ती प्रतियोगिताएं सरगुजा में आयोजित होंगी। छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड और असम से सबसे अधिक 100 से ज्यादा खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में पुरुष और महिला खिलाड़ियों की संख्या लगभग बराबर रखी गई है, जो लैंगिक समानता को दर्शाता है।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टीम का ऐलान कर दिया गया है। चयन समिति ने पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए संतुलित और मजबूत टीम चुनी है, जिसकी कमान हरमनप्रीत कौर को सौंपी गई है, जबकि उपकप्तान की जिम्मेदारी स्मृति मंधाना निभाएंगी। टीम में शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा और ऋचा घोष जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो बल्लेबाजी को मजबूती देंगी। वहीं गेंदबाजी विभाग में रेणुका ठाकुर, अरुंधति रेड्डी और श्रेयंका पाटिल जैसे नाम टीम को संतुलन प्रदान करते हैं। इसके अलावा कुछ युवा खिलाड़ियों को भी मौका दिया गया है, जिनमें काश्वी गौतम, क्रांति गौड़ और श्री चारणी शामिल हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच यह टी20 सीरीज 17 अप्रैल 2026 से शुरू होगी। सीरीज का दूसरा मैच 19, तीसरा 22 और चौथा 25 अप्रैल को खेला जाएगा। पहला और दूसरा मुकाबला डरबन में खेला जाएगा, जबकि तीसरा और चौथा मैच जोहान्सबर्ग में आयोजित होगा। सीरीज का पांचवां और अंतिम मुकाबला 27 अप्रैल को खेला जाएगा। सभी मुकाबले भारतीय समयानुसार शाम और रात में खेले जाएंगे, जिससे भारतीय दर्शकों के लिए भी यह सीरीज आकर्षण का केंद्र बनी रहेगी।

सैफ अंडर-20 चैंपियनशिप के लिए मालदीव पहुंची भारतीय टीम

एजेंसी, माले, मालदीव

सैफ अंडर-20 चैंपियनशिप से पहले भारत की अंडर-20 पुरुष टीम मालदीव पहुंच गई है, जहां टूर्नामेंट की शुरुआत सोमवार, 23 मार्च 2026 से माले में हो चुकी है। ब्लू कोल्ट्स सोमवार को मालदीव की राजधानी पहुंचे और ग्रुप बी में अपने अभियान की शुरुआत पाकिस्तान (26 मार्च) और बांग्लादेश (28 मार्च) के खिलाफ मुकाबलों से करेंगे। दोनों मैच माले के नेशनल स्टेडियम में भारतीय समयानुसार शाम 4:15 बजे खेले जाएंगे। ग्रुप ए में मेजबान मालदीव के साथ श्रीलंका, नेपाल और भूटान शामिल हैं। प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें 1 अप्रैल को होने वाले सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी, जबकि फाइनल 3 अप्रैल को खेला जाएगा। टीम सकारात्मक माहौल के साथ माले पहुंची है और प्रतियोगिता में मजबूत शुरुआत करने के लिए उत्साहित है। भारत अंडर-20 टीम के मुख्य कोच महेश गावली ने टूर्नामेंट के महत्व और टीम की तैयारी पर जोर देते हुए कहा, "यह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण और प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है। सभी टीमें काफी प्रतिस्पर्धी हैं। हमें अच्छा प्रदर्शन करना होगा।" 23 सदस्यीय टीम में से 15 खिलाड़ी माले पहुंच चुके हैं, जबकि अन्य आठ खिलाड़ी- एमडी अरबाश, सुरज सिंह अहेइबाम, सैमसन अहोंगशांगबाम, ऋषि सिंह निंगथौखोंगजाम, प्रशन जाजो, रोहेन सिंह चाफामायुम, यैफारेम्बा चिंगाखाम और बुंगसन सिंह तकहेल्लाम्बाम – आज टीम से जुड़ेंगे।

बिजनेस

एचडीएफसी बैंक ने पूर्व चेयरमैन के इस्तीफे में उठाए मुद्दों की जांच के लिए बाहरी कंपनी नियुक्त की

एजेंसी, नई दिल्ली

देश के दूसरे सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी बैंक ने पूर्व चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती के इस्तीफे में उठाए गए मुद्दों की स्वतंत्र जांच के लिए बाहरी विधि कंपनियों को नियुक्त किया है। बैंक ने यह कदम तथ्यों पर आधारित एवं निष्पक्ष आकलन सुनिश्चित करने के लिए उठाया है। एचडीएफसी बैंक के प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि बाहरी विधि कंपनियों की नियुक्ति एक सक्रिय कदम है, ताकि पत्र में उठाए गए सभी पहलुओं की स्वतंत्र रूप से समीक्षा की जा सके और वस्तुनिष्ठ एवं तथ्य आधारित मूल्यांकन सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि यह कदम बैंक द्वारा दशकों से अपनाए जा रहे उच्चतम कॉरपोरेट कामकाज मानकों के अनुरूप लगातार समीक्षा एवं तुलना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। एचडीएफसी बैंक के अंशकालिक चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने नैतिक चिंताओं का हवाला देते हुए अपना पद अचानक छोड़ दिया था। उनका इस्तीफा 18 मार्च से प्रभावी हो गया। यह पहली बार है, जब बैंक के किसी अंशकालिक चेयरमैन ने कार्यकाल के बीच में इस्तीफा दिया है, जिससे बैंक के कामकाज को लेकर सवाल खड़े हो गए।

चक्रवर्ती को आर्थिक मामलों के सचिव के रूप में सेवानिवृत्ति के करीब एक साल बाद 5 मई, 2021 से अंशकालिक चेयरमैन नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल 2024 में तीन और वर्ष के लिए बढ़ाकर 4 मई, 2027 तक कर दिया गया था। चक्रवर्ती 1985 बैच के गुजरात कैडर के आईएएस अधिकारी रहे हैं। वे अप्रैल 2020 में आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव के पद से सेवानिवृत्त हुए। इससे पहले वह निवेश एवं सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (डीआईपीएएम) के सचिव थे। ये दोनों विभाग वित्त मंत्रालय के तहत आते हैं। चक्रवर्ती बैंक की मूल कंपनी एचडीएफसी लिमिटेड के साथ 'रिवर्स मर्जर' प्रक्रिया के दौरान चेयरमैन बने थे, जो देश की प्रमुख आवासीय वित्त कंपनी है। एचडीएफसी लिमिटेड का एचडीएफसी बैंक में विलय 1 जुलाई, 2023 से प्रभावी हुआ, जिससे 18 लाख करोड़ रुपये से अधिक की संयुक्त बही-खाते वाली एक विशाल वित्तीय इकाई का निर्माण हुआ। चक्रवर्ती ने 17 मार्च को लिखे अपने इस्तीफे में कहा था कि पिछले दो वर्ष में बैंक के भीतर मैंने कुछ ऐसी घटनाएं एवं कार्य प्रणालियां देखीं जो मेरे व्यक्तिगत मूल्यों व नैतिकता के अनुरूप नहीं हैं।

अमीरचंद जगदीश कुमार का आईपीओ खुला, 12 बजे तक मिला 37 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन

एजेंसी, नई दिल्ली

एयरोप्लेन ब्रैंडनेम से बासमती चावल का निर्यात करने वाली कंपनी अमीर चंद जगदीश कुमार एक्सपोर्ट्स का 440 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया। इस आईपीओ में निवेशक 27 मार्च तक बोली लगा सकेंगे। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 30 मार्च को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि एक अप्रैल को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर दो अप्रैल को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। दोपहर 12 बजे तक इस आईपीओ के लिए 13,084 आवेदनों के जरिये 37 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन आ चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 201 रुपये से लेकर 212 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 70 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 70 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,840 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर्स 1,92,920 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 910 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 2,07,54,716 नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए न्यूनतम 35 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए न्यूनतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 17.50 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 30.41 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 60.82 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 48.65 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 1,317.86 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 1,551.42 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 2,004.03 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 1,024.30 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 667.53 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 777.62 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 784.06 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 739.74 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस दौरान कंपनी के नेटवर्थ में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 280.84 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 311.48 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का नेटवर्थ 379.18 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक ये 440.89 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

पश्चिम एशिया में नरमी के संकेत के बावजूद ब्रेंट क्रूड का भाव 103 डॉलर प्रति बैरल के करीब

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में नरमी के संकेत के बावजूद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) के दाम में तेजी बनी हुई है। इसकी वजह ईरान का वह बयान है, जिसमें उसने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'सफल बातचीत' वाले दावे को पूरी तरह खारिज कर दिया है। ब्रेंट करीब 103 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड लगभग 2.75 डॉलर (2.75 फीसदी) उछाल के साथ 102.69 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार ट्रेंड कर रहा है। वहीं, अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड में भी तेजी देखने को मिल रही है, जो 2.77 डॉलर यानी करीब 3.14 फीसदी की बढ़त के साथ 90.90 प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि जब तक होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह से नहीं खुल जाता है, तब तक कच्चे तेल की कीमतों में भारी अस्थिरता बनी रहेगी। इससे पहले पिछले सत्र में कच्चे तेल की कीमतों में 10 फीसदी से अधिक की गिरावट आई थी। यह गिरावट उस समय देखी गई जब ट्रंप ने ईरान पर हमलों को पांच दिन के लिए टालने की घोषणा की थी और ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत में प्रगति के संकेत मिले थे। गोल्डमैन सैक्स के विश्लेषकों ने वर्ष 2026 के लिए कच्चे तेल कीमतों के अपने अनुमान को बढ़ा दिया है। अब ब्रेंट क्रूड की औसत कीमत 85 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान जताया है, जो पहले के 77 डॉलर के अनुमान से 10.38 फीसदी अधिक है। इसी तरह, डब्ल्यूटीआई की कीमत 79 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान है, जो पहले के 72 डॉलर के अनुमान से 9.72 फीसदी अधिक है।

साई पैरेंटेरल्स का आईपीओ खुला, 27 मार्च तक कर सकते हैं आवेदन

एजेंसी, नई दिल्ली

फार्मास्यूटिकल फॉर्मेशन तैयार करने वाली कंपनी साई पैरेंटेरल्स लिमिटेड का 408.79 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में निवेशक 27 मार्च तक बोली लगा सकेंगे। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 30 मार्च को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि एक अप्रैल को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर दो अप्रैल को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। दोपहर 12 बजे तक इस आईपीओ के लिए 988 आवेदनों के जरिये दो प्रतिशत सब्सक्रिप्शन आ चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 372 से लेकर 392 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 38 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 38 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,896 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर्स 1,93,648 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 494 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 5 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1,04,28,288 शेयर जारी किए जाएंगे। इनमें 284.79 करोड़ रुपये के 72,70,408 नए शेयर जारी होंगे, जबकि 124 करोड़ रुपये के 31,57,880 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जाएंगे।

विनिर्माण क्षेत्र में स्टार्टअप नवाचार को बढ़ावा देने के लिए ब्लू स्टार के साथ करार

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के विनिर्माण और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने मंगलवार को अग्रणी एयर कंडीशनिंग कंपनी ब्लू स्टार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका उद्देश्य देश भर में स्टार्टअप और उद्यमियों का समर्थन करना है। डीपीआईआईटी के उप सचिव टीएलके सिंह और ब्लू स्टार लिमिटेड के प्रबंध निदेशक बी थियागराजन ने दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सहयोग का उद्देश्य एचवीएसी प्रौद्योगिकियों, डिजिटल समाधानों, उन्नत विनिर्माण प्रक्रियाओं और आपूर्ति श्रृंखला नवाचार जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे उत्पाद स्टार्टअप्स के विकास को बढ़ावा देना है। इसका लक्ष्य संरचित उद्योग सहभागिता के माध्यम से स्टार्टअप्स को बढ़ावा और उद्योग-प्रासंगिक समाधान विकसित करने में सक्षम बनाना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि इस पहल के तहत स्टार्टअप्स को उद्योग विशेषज्ञों से मार्गदर्शन, अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं और परीक्षण सुविधाओं सहित बुनियादी ढांचागत सहायता, प्रायोगिक अवसर और बाजार संपर्क उपलब्ध कराए जाएंगे। यह साझेदारी स्टार्टअप्स को उत्पाद सत्यापन, प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट (पीओसी) विकास और उद्योग मूल्य श्रृंखलाओं में एकीकरण जैसे प्रमुख लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी सहायता करेगी।

फिल्म केरल स्टोरी 2 को लेकर अभिनेत्री उल्का गुप्ता चर्चा में

अ अपनी हालिया रिलीज फिल्म केरल स्टोरी 2 को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री उल्का गुप्ता चर्चा में बनी हुई हैं। फिल्म की रिलीज के बाद जहां एक ओर इसे लेकर विवाद और बहस तेज हुई, वहीं दूसरी ओर इसे दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया भी मिल रही है। इस फिल्म में तीन अलग-अलग राज्यों से जुड़ी कहानियों को दर्शाया गया है, जिनमें धोखे से धर्मांतरण जैसे संवेदनशील मुद्दे को उठाया गया है। हाल ही में इंटरव्यू में उल्का गुप्ता ने फिल्म को लेकर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि फिल्में समाज का आईना होती हैं और जो कुछ भी समाज में घटित होता है, उसे फिल्म निर्माता अपने नजरिए से प्रस्तुत करते हैं।

उनके मुताबिक, अलग-अलग विषयों पर फिल्में बनती रहनी चाहिए, क्योंकि दर्शक कभी मनोरंजन के लिए, कभी सीख के लिए तो कभी भावनात्मक जुड़ाव के लिए फिल्में देखते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह हमेशा उन प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना पसंद करती हैं, जिनकी कहानी या किरदार उन्हें प्रभावित करता है। उल्का गुप्ता ने बताया कि उन्हें परिवार और दोस्तों से जो प्रतिक्रिया मिली है, वह बेहद भावनात्मक रही है। उनके अनुसार, फिल्म देखने के बाद कई लोगों ने कहा कि इससे उनकी सोच पर गहरा असर पड़ा है और कुछ पहलुओं ने उनकी आंखें खोल दी हैं। अभिनेत्री ने कहा कि इस तरह की प्रतिक्रिया उनके लिए बेहद मायने रखती है। फिल्म से अपने जुड़ाव पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि 'केरल स्टोरी 2' का हिस्सा बनना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि जब उन्हें यह प्रोजेक्ट ऑफर हुआ, तो उन्होंने बिना किसी हिचक के इसे स्वीकार किया और पूरी तरह अपने किरदार पर ध्यान केंद्रित किया। उल्का का मानना है कि एक कलाकार को अपने काम पर फोकस रखना चाहिए, न कि उसके परिणामों पर। उन्होंने कहा कि अगर वह इस बात के बारे में सोचने लगें कि उन्हें कितना प्यार या सम्मान मिलेगा, तो वह अपने अभिनय पर पूरा ध्यान नहीं दे पाएंगी। बता दें कि फिल्म 27 फरवरी 2026 को रिलीज हुई थी और रिलीज से पहले ही इसे लेकर सोशल मीडिया पर तीखी बहस शुरू हो गई थी। कुछ लोगों ने इसे प्रोपेगेंडा करार दिया, तो वहीं कई दर्शकों ने इसे एक गंभीर सामाजिक मुद्दे को उजागर करने वाली फिल्म बताया। विवादों के बीच भी फिल्म को देश के कई हिस्सों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है, जिसे लेकर उल्का ने खुशी जाहिर की।

जिंदगी एक शतरंज की तरह : महह चहल

अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अभिनेत्री महक चहल ने एक ऐसी तस्वीर साझा की, जिसने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। अभिनेत्री पोस्ट में शतरंज खेलती नजर आ रही हैं और इसके साथ उन्होंने जिंदगी को लेकर एक दिलचस्प संदेश भी साझा किया है। महक चहल तस्तीर में शतरंज की बिसात के सामने बैठी दिखाई दे रही हैं। तस्वीर में उनका अंदाज बेहद शांत और गंभीर नजर आ रहा है, मानो वह अपनी अगली चाल के बारे में गहराई से सोच रही हों। शतरंज की बिसात पर सजे मोहरों को ध्यान से देखते हुए उनका यह अंदाज काफी प्रभावशाली लग रहा है। इस तस्वीर के साथ उन्होंने एक खास संदेश भी लिखा, जिसने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया। महक ने कैप्शन में लिखा, "जिंदगी काफी हद तक शतरंज की तरह है। कुछ चालें आपको जीत दिलाती हैं और कुछ से आप सीखते हैं। दोनों ही तरह से, यह सब खेल का हिस्सा है।" उनके इस विचार को सोशल मीडिया पर काफी सराहना मिल रही है और कई लोग इसे प्रेरणादायक बता रहे हैं। अभिनेत्री के इस पोस्ट पर फैंस लगातार प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कई यूजर्स ने उनके संदेश को जीवन से जुड़ी एक बड़ी सीख बताया है। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा कि जिंदगी सच में शतरंज की तरह होती है, जहां हर चाल हमें कुछ न कुछ सिखाती है। वहीं एक अन्य प्रशंसक ने लिखा कि यह केवल शतरंज का खेल नहीं, बल्कि जीवन का गहरा संदेश है। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि हार और जीत दोनों ही जिंदगी का हिस्सा हैं और हार के बिना जीत की असली कीमत समझ में नहीं आती।

सारा अली और पलक की मूवी आउटिंग ने खींचा फैंस का ध्यान

एक्शन-एडवेंचर फिल्म के निर्देशक कार्तिक वर्मा दंडू की रहस्यमय थ्रिलर फिल्म वृषकर्मा की पहली झलक सामने आ चुकी है। झलक में एक अंधेरी अलौकिक दुनिया को दर्शाया गया है, जहां एक रहस्यमय रेखाचित्र वास्तविकता में तब्दील हो जाते हैं, जो राक्षसी शक्तियों की ओर इशारा करते हैं। इस फिल्म की खास झलक की शुरुआत एक डरावने सीन से होती है। एक कमरे में स्पर्श श्रीवास्तव एक अजीब चित्र बनाते नजर आते हैं और फिर अचानक उनके मुंह से चमगादड़ निकलता नजर आता है। इस सीन से पते चलता है कि यह फिल्म काफी डरावनी और रहस्यमयी पहलुओं पर बनी है। जब नागा चैतन्य की धमाकेदार एंट्री होती है। वे एक ऐसे खजाना खोजने वाले के रोल में हैं, जो पुरानी अंधेरी शक्तियों और रहस्यों से लड़ता है। उनका किरदार किसी राक्षसी ताकत का सामना करने के लिए चुना गया लगता है। कहानी में भाग्य और धर्म का कनेक्शन दिखता है। नागा चैतन्य का नया लुक और बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन फैंस को काफी पसंद आ रहा है। इस फिल्म में नागा के अलावा मीनाक्षी चौधरी मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में मीनाक्षी एक आर्कियोलॉजिस्ट के रोल में हैं और साथ ही इसकी कहानी के बड़े रहस्य को खोलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती नजर आ रही हैं। वृषकर्मा एक रहस्यमयी थ्रिलर फिल्म है, जिसे कार्तिक दांडू ने डायरेक्ट किया है। इसकी झलक में पौराणिक कहानियां, सुपरनैचुरल हॉरर और एक्शन का मजेदार मिश्रण है। इस फिल्म को बीवीएसएन प्रसाद ने बनाया है और सुकुमार ने पटकथा लिखी है। इसमें ब्रह्माजी, जरीन वहाब और जयराम जैसे कलाकार भी हैं।

अनिल कपूर व राधिका मदान की एक्टिंग ने जीती बाजी, उलझी कहानी ने बिगाड़ा खेल

निर्देशक सुरेश त्रिवेणी ने अपनी नई फिल्म सूबेदार को पिछली सदी के 8वें दशक के मेनस्ट्रीम सिनेमा को समर्पित बताया है, जिस सिनेमा को देखकर वह बड़े हुए हैं। उन्होंने इसे अभिनेता अनिल कपूर के मशहूर किरदार 'मुन्ना' (फिल्म तेजाब) की विरासत को भी ट्रिब्यूट बताया था। वह समय जब हिंदी फिल्मों का नायक गुस्सैल होता था, अन्याय के खिलाफ आवाज उठाता था और अकेले ही कई लोगों से भिड़ जाने की क्षमता रखता था। सूबेदार भी उसी मिजाज की फिल्म है। फर्क सिर्फ इतना है कि यहां नायक कोई युवा नहीं बल्कि सेना से सेवानिवृत्त सूबेदार है। हालांकि, कई दिलचस्प विचारों के बावजूद उलझी हुई पटकथा और पात्रों का अधूरा विकास फिल्म को पूरी तरह प्रभावी बनने से रोक देता है।

जेनेलिया को साउथ की पुरानी फिल्मों के गाने से है खास जुड़ाव

बॉ बॉलीवुड एक्ट्रेस जेनेलिया डिसूजा ने न सिर्फ बॉलीवुड बल्कि साउथ सिनेमा में भी अपनी अलग पहचान बनाई है। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी एक पुरानी साउथ इंडियन फिल्म के गाने को साझा करते हुए बीते दिनों की यादें ताजा कीं, जिसे फैंस भी खूब पसंद कर रहे हैं। जेनेलिया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ पुरानी तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें वह पारंपरिक साड़ी लुक में नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने अपना पसंदीदा गाना 'नल्ला नल्लानी कल्ला' भी जोड़ा। यह गाना उनके करियर के शुरुआती

दौर की यादों से जुड़ा हुआ है और आज भी उनके दिल के बेहद करीब है।

एक्ट्रेस ने बताया कि जब भी वह अपने पुराने गानों को दोबारा पोस्ट करती हैं और उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रेंड करता हुआ देखती हैं, तो उन्हें एक खास तरह का भावनात्मक जुड़ाव महसूस होता है। जेनेलिया ने अपने पोस्ट में लिखा कि पुराने साउथ गानों को शेयर करते ही यादों की एक अलग ही दुनिया सामने आ जाती है। उन्होंने कहा कि कुछ फिल्में और उनसे जुड़ी भावनाएं ट्रेंड से कहीं ज्यादा मायने रखती हैं, क्योंकि वे जिंदगी भर के लिए यादगार बन जाती हैं। उनका मानना है कि भले ही सोशल मीडिया पर ट्रेंड बदलते रहते हों, लेकिन कुछ यादें हमेशा दिल में जिंदा रहती हैं। बता दें कि 'नल्ला नल्लानी कल्ला' साल 2004 में रिलीज हुई तेलुगु फिल्म सई का लोकप्रिय गाना है। इस गाने को मशहूर संगीतकार एम.एम. कीरावानी ने कंपोज किया था और उन्होंने ही प्रसिद्ध गायिका के.एस. चित्रा के साथ मिलकर इसे अपनी आवाज दी थी। गाने में जेनेलिया के साथ अभिनेता नितिन नजर आए थे, और दोनों की केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब सराहा था। यह गाना आज भी सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय है और खासतौर पर तेलुगु यूजर्स इसके जरिए रील्स बनाकर इसे ट्रेंड में बनाए रखते हैं।

एक वक्त ऐसा था जब वे ट्रोलिंग की वजह से छोड़ने वाली थी एक्टिंग, रोती थी

फिल्म उस्ताद भगत सिंह हीरोइन राशि और श्रीलीला ने की करियर पर बात

नीना गुप्ता से मिली सीख ने बदली संदीपा धर की सोच

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में कई अनुभवी कलाकार नए लोगों को लगातार मेहनत करते रहने और अपने हुनर पर भरोसा रखने की सलाह देते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस संदीपा धर ने अपना इसी तरह का एक खास अनुभव साझा किया, जिसने उनके करियर को लेकर नजरिया बदल दिया। संदीपा ने बताया कि उनकी यह सीख उनकी नई वेब सीरीज 'चुंबक' की शूटिंग के दौरान मिली, जहां उन्हें दिग्गज अभिनेत्री नीना गुप्ता के साथ काम करने का मौका मिला। उन्होंने बताया कि नीना गुप्ता अक्सर उन्हें अपने अनुभवों के जरिए समझाती थीं कि किसी भी काम को छोटा या बड़ा समझने की बजाय उसे पूरी ईमानदारी से करना चाहिए।

संदीपा के मुताबिक, नीना गुप्ता ने एक शॉर्ट फिल्म 'स्टूडेंट' का उदाहरण देते हुए कहा था कि उस समय किसी ने नहीं सोचा था कि यह काम आगे चलकर उनके लिए नए अवसरों के दरवाजे खोलेगा, लेकिन इसी के चलते उन्हें बाद में 'बधाई हो' जैसी सफल फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिला। संदीपा ने कहा कि एक कलाकार के तौर पर यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि कौन-सा काम किस प्लेटफॉर्म पर और किस दर्शक तक पहुंचेगा। ऐसे में जरूरी है कि कलाकार अपने काम पर फोकस रखे और हर प्रोजेक्ट को पूरी लगन से करे। उनका मानना है कि कहीं न कहीं कोई व्यक्ति आपके काम को जरूर देखता है और वही भविष्य में नए अवसरों का कारण बन सकता है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि इस सिद्धांत को जीवन में लगातार बनाए रखना आसान नहीं होता, लेकिन यही सफलता की असली कुंजी है। नीना गुप्ता के करियर की बात करें तो उन्होंने लंबे संघर्ष के बाद इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है। 1982 में फिल्म 'साथ-साथ' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली नीना गुप्ता ने 'मंडी', 'जाने भी दो यारों', 'त्रिकाल' और 'गांधी' जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय किया। इसके अलावा उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में भी खास पहचान बनाई और 'सांस' व 'सिस्की' जैसे लोकप्रिय शोज में नजर आईं। साल 2018 में 'बधाई हो' से उन्हें नई पहचान मिली, जिसके लिए उन्हें फिल्मफेयर क्रिटिक्स अवॉर्ड भी मिला।

सा साउथ सुपरस्टार पवन कल्याण की फिल्म उस्ताद भगत सिंह ने धुरंधर 2 को बॉक्स ऑफिस पर टक्कर दी है। इसकी लीडिंग लेडीज, राशि खन्ना और श्रीलीला ने इंडस्ट्री में अपने करियर पर बात की। पवन कल्याण के साथ इस बिग बजट वाली फिल्म में नजर आईं राशि और श्रीलीला, कई सालों से इंडस्ट्री का अहम हिस्सा रही हैं। दोनों ने बॉलीवुड में भी अपनी किस्मत आजमाई है। अब दोनों ने करियर के मुश्किल वक्त को लेकर बताया। श्रीलीला ने बताया कि एक वक्त ऐसा था जब वे ऑनलाइन ट्रोलिंग की वजह से एक्टिंग छोड़ने वाली थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक श्रीलीला और राशि खन्ना ने फिल्म उस्ताद भगत सिंह के प्रमोशन के दौरान यह बात कही। इस दौरान उनसे सोशल मीडिया ट्रोलिंग का सामना करने के बारे में पूछा गया। श्रीलीला ने बताया कि एक दौर ऐसा था जब वे एक्टिंग छोड़ने वाली थीं। राशि ने कहा कि समय के साथ चीजें और भी बदतर हो गई हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे कभी ट्रोलिंग से डरती थीं, तो श्रीलीला ने कहा कि जब मैंने इस इंडस्ट्री में शुरुआत की थी तो हां, डर लगता था। मुझे बहुत बुरा लगता था। मैं रोती थी। मैंने अपनी मां से कहा था कि मुझे लगता है मैं ये नहीं कर पाऊंगी। क्या मुझे स्कूल या कॉलेज वापस जाना चाहिए? मैं बहुत सेंसिटिव थी, लेकिन अब मैं इससे इम्यून हो गई हूं। राशि खन्ना ने कहा कि अब थोड़ा लगता है, क्योंकि ट्रोलिंग बहुत इंटेंस हो गई है। मुझे लगता है लोग बिना सच जाने जजमेंट पास कर देते हैं और मुझे इससे समस्या है। इतने सालों में जो कैरेक्टर मैंने बनाया है, मुझे बस उसका डर है कि श्रीलीला का मानना है कि आज की ऑडियंस ज्यादा समझदार है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि आज के लोग दिमाग रखते हैं। इसलिए जब वे नेगेटिविटी देखते हैं तो थोड़ा सोचते हैं। इसपर राशि खन्ना ने उनकी बात को सपोर्ट किया। उन्होंने कहा कि लोग बस क्लिकबेट के लिए कुछ भी लिख देते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 2019 में डेब्यू करने वाली श्रीलीला ने हाल ही में एमबीबीएस की डिग्री पूरी की है। जल्द ही वह एक्टर धनुष की आने वाली फिल्म में नजर आएंगी। इसके अलावा वो डायरेक्टर अनुराग बसु की अगली फिल्म के साथ बॉलीवुड में भी डेब्यू करेंगी। इस म्यूजिकल ड्रामा फिल्म के हीरो कार्तिक आर्यन हैं। दूसरी तरफ राशि खन्ना को शाहिद कपूर के साथ फर्जी सीरीज के सीजन 2 में देखा जाएगा।

छुपा रुस्तम निकले अरिजीत सिंह, 'धुरंधर 2' के बाद अब भूत बंगला से रिलीज हुआ रोमांटिक गाना

जनवरी 2026 में करोड़ों दिलों की धड़कर अरिजीत सिंह ने प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास ले लिया था जिससे फैंस को काफी निराशा हुई थी। हालांकि इसके पहले अरिजीत ने कुछ फिल्मों के लिए गानों रिकॉर्डिंग की थी जो अब धीरे-धीरे रिलीज हो रहे हैं। उनमें से एक भूत बंगला का गाना तू ही दिसदा (Tu hi Disda) भी है, जो अब रिलीज हो गया है। अरिजीत सिंह बंगला' का नया गाना 'तू ही दिसदा' आपको परफेक्ट समर वाइब्स देगा। पहले गाने 'राम जी आके भला करेंगे' के बाद, अब आया 'तू ही दिसदा' अक्षय कुमार और वामिका गब्बी को एक ड्रीम रोमांटिक अवतार में दिखाता है। यह गाना उनकी खूबसूरत केमिस्ट्री को कमाल के विजुअल्स के साथ बखूबी पेश करता है। झरनों, हरियाली और खूबसूरत पहाड़ों के बैकड्रॉप पर सेट यह ट्रैक एक सुकून देने वाला और रोमांटिक अहसास कराता है। यह एक कूल और ब्रीजी गाना है, जो 'समर लव' के लिए एकदम परफेक्ट है।

'Kheer ceremony' marks start of Delhi Assembly Budget session

New Delhi, Agency: The Budget session of the Delhi Legislative Assembly began on Monday with a ceremonial 'Kheer Ceremony', a tradition recently introduced by the BJP-led government, as Chief Minister Rekha Gupta outlined her administration's vision of a 'Developed Delhi, Green Delhi'.

The ceremony, held ahead of the presentation of the Budget to be tabled on Tuesday, marked a symbolic start to proceedings. Officials said the practice, introduced during the previous session by the present government, draws inspiration from a similar tradition followed at the Centre and had not been part of earlier Assembly Budget sessions in Delhi. The event saw participation from a cross-section of society, including farmers, students, teachers, doctors, members of the transgender community, women drivers and media representatives. Farmers also honoured the Chief Minister with a traditional turban. Several Cabinet Ministers, including Parvesh Verma, Ashish Sood, Manjinder Singh Sirsa, Ravindra Indraj Singh and Kapil Mishra, along with MLAs and senior officials, were present. Addressing the gathering, Gupta said the upcoming Budget would mark a new phase in Delhi's development, focusing on improving infrastructure and overall quality of life. Priority areas would include education, healthcare, cleanliness, pollution control and the creation of a greener urban ecosystem.

Emphasising that the government's vision goes beyond slogans, she said efforts over the past year had been directed at changing the city's trajectory, while the upcoming Budget would focus on delivering visible improvements on the ground.

During the Assembly session, the Chief Minister also highlighted the leadership of Prime Minister Narendra Modi, stating that his emphasis on transparency, accountability and dedication to public service continues to guide governance and nation-building efforts.

Teen stabbed to death near temple in Delhi's Subhash Vihar;'

New Delhi, Agency: An 18-year-old boy was allegedly stabbed to death in the early hours of Tuesday in northeast Delhi's Subhash Vihar.

The victim, identified as Mohammad Asif, a resident of Subhash Mohalla, was found critically injured near a temple in Subhash Vihar, North Gonda.

Police said they received information about the stabbing following which a team from Bhajanpura police station rushed to the spot. By the time officers arrived, Asif had already been taken to JPC Hospital by his family. He later succumbed to his injuries during treatment.

A forensic team inspected the crime scene and collected evidence, while the body has been sent to GTB Hospital for postmortem examination.

A case has been registered under Section 103 (murder) of the Bharatiya Nyaya Sanhita at Bhajanpura police station. Multiple teams have been deployed to identify and apprehend the accused, police added.

"I am not aware of the entire incident. He might have gotten into conflict, the killers might be someone in his known. He was stabbed.

More than 3.6 lakh users on Namo Bharat app

New Delhi, Agency: With the growing popularity of Namo Bharat services, the number of users adopting the app has also witnessed a steady rise. As of Feb, more than 3.6 lakh users are availing a range of services on the app, from digital QR ticketing to real-time train tracking, making it a one-stop solution for smart and hassle-free travel. "Through the app, passengers can conveniently purchase digital QR tickets for both Namo Bharat and Meerut Metro without standing in queues at ticket counters. In the last three months alone, over 6.7 lakh digital tickets have been sold via the app. Cumulatively, more than 24.7 lakh digital tickets have been booked through the platform till Feb this year," said an official of National Capital Region Transport Corporation.

For lost belongings, the app includes a 'Lost and Found' feature, allowing passengers to register complaints and check items recovered by Namo Bharat staff. Passengers can identify their belongings from the list of recovered items available on the app and claim them by contacting the Lost and Found Centre at Ghaziabad Namo Bharat Station after completing the prescribed verification process.

DU makes prior approval mandatory for protests

New Delhi, Agency: The University of Delhi (DU) has made prior permission mandatory for any protest, march, or similar activity within its premises, requiring organisers to seek approval from both university authorities and the local police at least 72 hours in advance.

In a notice issued by the Proctor's Office on Monday, the university said that "any violations of these directions will attract disciplinary action against organisers, which may include rustication, expulsion, and initiation of police proceedings and/ or other measures deemed appropriate by the competent authority."

In a significant restriction, the notice states that outsiders, including individuals not enrolled in DU, will not be allowed to participate in such activities on campus.

The development comes after DU's month long blanket ban on protests across its campuses ended on March 17.

Organisers must submit a physical application to the Proctor's Office as well as to the concerned local police authorities at least 72 hours before the proposed event. The application must include details such as the organiser's name, institutional affiliation, contact information, nature and duration of the programme, list of speakers, logistics involved, and expected number of participants.

Better air quality, no winter stubble burning in Delhi: Eco Survey

New Delhi, Agency: The number of days with AQI below 201 increased from 159 in 2018 to 200 in 2025, according to the latest Economic Survey report. The report also stated that no stubble burning took place in Delhi in the winter season 2025-26.

The Consortium for Research on Agroecosystem Monitoring and Modelling from Space (CREAMS) laboratory, situated at Indian Agricultural Research Institute, which follows the standard protocol 2021 notified by the Commission for Air Quality Management (CAQM) in NCR and adjoining areas, said that satellites detected five paddy residue burning events in Delhi.

"No case of stubble burning in Delhi has taken place in the present paddy harvesting season because of intense monitoring and awareness generated among paddy cultivators by the development department. All (five) burning incidents reported by CREAMS in Oct and Nov 2025 within Delhi territory have been physically verified, and none of them constitute stubble or paddy residue burning," stated the report.

As per CPCB data, the number of days when AQI was below 201 was 163 in 2022, 206 in 2023, 209 in 2024 and 200 in 2025. However, number of days when AQI surpassed 400 was 20 in 2018, compared to eight in 2025. The number of such days was six in 2022, 15 in 2023 and 17 in 2024. The Economic Survey report stated that to reduce pollution caused by illegal industrial units, the report said a first-ever survey of polluting industries was conducted in notified industrial areas, redevelopment areas and non-conforming areas in Delhi. Based on the surveys, over 700 air and water polluting units in conforming areas were sealed by Delhi Pollution Control Committee and more than 300 air and water polluting units in non-conforming areas by MCD.

Out of a total of 2,049 industries in Delhi, 1,890 are running on PNG while 67 run on approved LPG. The remaining 92 industries have been moved out of Delhi.

On the Yamuna, the report noted 10 cumecs of water is being released by Haryana at Hathnikund during the lean season. However, most of it evaporates or percolates before it reaches Wazirabad and, therefore, it is highly inadequate to meet the dilution requirement to achieve the desired water quality. "The Yamuna, the reason for Delhi's existence, has suffered heavily from pollution, which is due to the flow of untreated or partially treated sewage and industrial effluents," said the report.

Court summons discharged accused in Rs 1-cr extortion case

New Delhi, Agency: In a new twist to the ongoing extortion case involving the Lawrence Bishnoi gang, a Delhi court has issued fresh notices to all accused who were previously discharged, summoning them.

The investigation stems from two interconnected criminal cases originally registered at the Sunlight Colony police station, which were later transferred to the Crime Branch due to the involvement of high-profile interstate gangsters and sophisticated logistical networks. The first case concerns a shooting incident on 23 April 2023, where five rounds were fired at the residence of businessman Ramandeep Singh in an

'Will blow up building, Vidhan Sabha Metro Station'

Delhi assembly gets bomb threat email ahead of budget presentation

New Delhi, Agency: A bomb threat email sent to the office of Delhi Assembly Speaker Vijender Gupta on Tuesday warned that the assembly building and the Delhi Metro's Vidhan Sabha station would be blown up, officials said.

According to the Speaker's office, the first threat arrived at the Assembly's official email address at 7.28 am, followed by a second email directed to the Speaker at 7.49 am - just twenty-one minutes later.

Both messages claimed that a bomb would explode at the Delhi assembly at 1.11 pm, and at a Delhi Metro station at 9.11 pm. The emails also made references to the Khalistan Referendum. A sniffer dog squad was later deployed at the Delhi Assembly complex as part of intensified security checks following the threat.

Authorities confirmed that the emails were sent from a Gmail account, and security personnel conducted thorough searches of the premises. No explosive devices were reported to have been found.

The message also named several high-profile leaders, including , Prime Minister Narendra Modi, Union home minister Amit Shah, external affairs minister Subrahmanyam Jaishankar, chief minister Rekha Gupta and minister Manjinder Singh Sirsa and Lt governor Taranjit Singh Sandhu.

Delhi's power consumer base climbs to 73.6 lakh

New Delhi, Agency: The number of electricity consumers in Delhi has risen from 52.6 lakh in 2015-16 to 73.6 lakh in 2024-25, an increase of nearly 21 lakh, with domestic users accounting for 84.1% of the total, according to the Delhi Economic Survey 2025-26 tabled in the Delhi Assembly on Monday.

As per the official data, the consumer base has expanded by 20.9 lakh during the period.

At the same time, aggregate technical and commercial (AT&C) losses - the gap between energy supplied and revenue realised - have plunged from a high of 52% in the pre-reform period of 2002 to just 5.9% in 2024-25. The survey attributes the decline to improvements in billing, collection and distribution efficiency. AT&C losses are considered a key indicator of the overall performance of power distribution utilities.

Peak power demand has also climbed, from 5,846 MW in 2015-16 to 8,442 MW in 2025-26, while electricity consumption grew at an average annual rate of about 3.2% between 2015-16 and 2024-25.

Delhi govt is promoting rooftop solar installations through enhanced incentives under the Delhi Solar Energy Policy, 2023. The capital subsidy has been raised to Rs 10,000 per kW, capped at Rs 30,000 per consumer.

'Existential threat': Transgender community unites against Bill

New Delhi, Agency: Kabir Maan identifies as a transman. On Monday, at a packed press conference, anxious and worried, he held up his Transgender ID and certificate - issued as per the Transgender Persons (Protection of Rights) Act, 2019 - to share how the proposed amendments to the law will make it difficult for his community to get these documents. His worry - the Transgender Persons (Protection of Rights) Amendment Bill, 2026, omitting a clause that allowed "self perceived gender identity" to be the basis for determination and obtaining a TG certificate. The changes in definition, Maan said, poses exclusion of many.

"The first question that came to my mind, after hearing about the amendment ?bill, was what will happen to my future and will my identity be questioned after all the struggle I went through to acquire the TG certificate. How can a medical board decide my gender identity?" he said.

Now, the proposed amendments feel like a blow as they only add to fear, anxiety and uncertainty that the community struggles with, Maan said, sharing that despite these identity documents and him being a qualified special educator, he continues to struggle and fight stigma. Maan was joined by many others in demanding the withdrawal of the bill introduced in Lok Sabha last week. Community members argued that the proposed amendments violate Supreme Court's landmark 2014 judgement (NALSA versus Union of India) that protects the right to self-determination of gender identity.

With Parliament in session, the community will now be stepping up outreach to MPs across parties to demand support for seeking the bill's withdrawal. It also questioned the lack of consultation by the govt before bringing the amendment bill.

Raghavi S, a transwoman and an SC lawyer, said, "We are very clear we want this bill to be taken back as it is." "After years of struggle to gain recognition and access, the proposed amendments would push transgender persons back into a system where they will be denied their rights," she added.

"The bill does not merely amend a statute, it lays down an existential threat to our hard-won dignity, reinstates colonial-era stigma, and turns the State against the very people it was solemnly pledged to protect," the community said in a statement. "Hence we, the concerned transgender and queer individuals and collectives, unequivocally condemn and oppose the bill," it said.

The statement claimed under the current framework, the recognition of transgender identity is built on five key principles - "self-identification, a simple administrative process, no compulsory medical procedures, recognition of non-binary identities and access to gender-affirming care". "The bill dismantles this model. It is discriminating against trans men, trans women, genderqueer people, and gender non-binary per?sons, because this is the only law that recognises the category 'transgender person'.